TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 62
गुरुवार, 10 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

'भारत के खिलाफ नहीं होगा श्रीलंका की जमीन का इस्तेमाल', राष्ट्रपति दिसानायके का ऐलान, चीन को बड़ा झटका

कोलंबो, 09 सितम्बर। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने आश्वासन दिया कि श्रीलंका कभी भी अपनी धरती को भारत के सुरक्षा के खिलाफ गतिविधियों के लिए इस्तेमाल नहीं होने देगा। दिसानायके के इस बयान को चीन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जो श्रीलंका का इस्तेमाल भारत के खिलाफ जासूसी गतिविधियों के लिए करना चाह रहा था। श्रीलंका ने 2024 में भारत के विरोध के बाद विदेशी जासूसी जहाजों के अपने जल क्षेत्र में प्रवेश पर एक साल के लिए प्रतिबंध लगाया था।

दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई अपनी मुलाकातों को याद किया और दोहराया कि श्रीलंका, भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल किसी भी गतिविधि के लिए अपने क्षेत्र का इस्तेमाल कभी नहीं होने देगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने चक्रवात दितवाह के दौरान ऑपरेशन सागर बंधु के तहत भारत द्वारा दी गई राहत सहायता और पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास कार्यों को सुगम बनाने के लिए नयी दिल्ली द्वारा दिए गए व्यापक पुनर्वास पैकेज के लिए भी आभार व्यक्त किया।

राजनाथ सिंह की यात्रा के दौरान भारत और श्रीलंका ने श्रीलंकाई वायुसेना के लिए एल-70 तोपों के अपग्रेडेशन और भारत और श्रीलंका के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालयों (एनडीसी) के बीच सहयोग से संबंधित समझौता ज्ञापनों का भी आदान-प्रदान किया। श्रीलंकाई वायुसेना की छह एल-70 तोपों के उन्नयन से संबंधित समझौता ज्ञापन भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले अनुदान के तहत है। बयान में कहा गया कि इन वायु रक्षा तोपों के उन्नयन से श्रीलंका में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की वायु रक्षा व्यवस्था काफी मजबूत होगी। इन वायु रक्षा तोपों की आपूर्ति भारत ने पहले श्रीलंकाई वायुसेना को की थी।

राजनाथ सिंह ने अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच बहुआयामी साझेदारी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान क्षेत्र की सुरक्षा, संरक्षा, शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया गया। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं दीं और कहा कि दोनों देशों के नागरिकों के बीच मजबूत ऐतिहासिक व सभ्यतागत संबंधों पर आधारित गहरी मित्रता है।

भारत हिंद महासागर क्षेत्र में अपने पड़ोसी देशों के साथ रक्षा और समुद्री सुरक्षा सहयोग को लगातार मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में राजनाथ सिंह की यह श्रीलंका यात्रा काफी महत्वपूर्ण है। श्रीलंका भारत की ह्यपड़ोसी प्रथमह्न नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण साझेदार भी है। बैठक में दोनों नेताओं का जोर इस बात पर रहा कि भारत और श्रीलंका के बीच सहयोग केवल रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों देशों के व्यापक विकास, जनता के कल्याण और पूरे क्षेत्र में स्थिरता एवं समृद्धि से भी जुड़ा हुआ है।

मानसून सत्र के सत्रावसान में देरी पर जयराम रमेश ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 09 सितम्बर। कांग्रेस ने संसद के मानसून सत्र का सत्रावसान करने में हो रही देरी पर बुधवार को सवाल उठाते हुए कहा कि "दाल में कुछ काला है" और सरकार "बहुकलंकित" दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश कर रही है, लेकिन वह परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए आवश्यक बहुमत हासिल करने में सफल नहीं हो पाएगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि आम तौर पर संसद के दोनों सदनों के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के तीन-चार दिन बाद ही सत्रावसान हो जाता है। उन्होंने कहा कि 2015 में यह अंतर 28 दिन का था और वह रिकॉर्ड जल्द ही टूट जाएगा, क्योंकि इस साल के मानसून सत्र का सत्रावसान हुए बिना ही 27 दिन बीत चुके हैं। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए रमेश ने पूछा कि क्या कोई साजिश रची जा रही है। रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "दाल में कुछ काला है। सरकार दो-तिहाई बहुमत पाने की कोशिश कर रही है, लेकिन उनके पास अभी भी जरूरी संख्या नहीं है और वे इस लक्ष्य को पाने से बहुत दूर हैं। वे पार्टियों को तोड़ रहे हैं, लेकिन परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए "बहुकलंकित" दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं हो पाएंगे। बजट सत्र के दौरान 17 अप्रैल को मोदी सरकार को एक झटका लगा, क्योंकि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक निचले सदन में पारित नहीं हो सका था। सदन में, मत विभाजन में भाग लेने वाले 528 सांसदों में से 298 ने इसके समर्थन में वोट दिया, जबकि 230 ने इसका विरोध किया। विधेयक को दो-तिहाई बहुमत के लिए 352 मतों की जरूरत थी।

कोलकता में बड़ी कार्रवाई: Fire Safety की अनदेखी पर 919 होटल-गेस्ट हाउस सील

कोलकाता, 09 सितम्बर। कोलकाता में 919 होटलों और गेस्ट हाउसों को आग से सुरक्षा के जरूरी नियमों का पालन न करने के कारण अस्थायी रूप से बंद करने का नोटिस दिया गया है। यह कार्रवाई शहर में एक गेस्ट हाउस में लगी जानलेवा आग के बाद सुरक्षा से जुड़ी गंभीर कमियों के सामने आने पर शुरू किए गए बड़े पैमाने पर निरीक्षण अभियान के तहत की गई है। पश्चिम बंगाल फायर सर्विस, कोलकाता नगर निगम और कोलकाता पुलिस के अधिकारियों की संयुक्त निरीक्षण टीमों ने अब तक कोलकाता में लगभग 960 होटलों और गेस्ट हाउसों की जांच की है। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से केवल 41 जगहों पर ही आग से सुरक्षा के जरूरी उपायों का पालन होता पाया गया, जबकि बाकी 919 जगहों को नोटिस जारी कर निर्देश दिया गया कि वे तब तक अपना कामकाज अस्थायी रूप से बंद रखें जब तक कि वे तय सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं कर लेते। इन निरीक्षणों में शहर में अभी चल रहे लगभग 3,700 होटलों और गेस्ट हाउसों में से लगभग एक-चौथाई को शामिल किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि जिन जगहों की अभी जांच होनी बाकी है, वहां यह प्रक्रिया जारी रहेगी।19 अगस्त को मध्य कोलकाता की मिर्जा गालिब स्ट्रीट पर स्थित गेस्ट हाउस 'शिखा इन' में लगी जानलेवा आग के बाद जांच अभियान तेज कर दिया गया। इस आग में सात बांग्लादेशी नागरिकों समेत नौ लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद अधिकारियों ने होटलों और गेस्ट हाउसों की जांच-पड़ताल तेज कर दी और यह पता लगाने की कोशिश की कि क्या वे आग से सुरक्षा और जीवन-सुरक्षा से जुड़े जरूरी नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं।अधिकारियों ने कहा कि जिन जगहों को बंद करने का नोटिस मिला है, वे इंस्पेक्शन के दौरान पाई गई सुरक्षा कमियों को ठीक किए बिना अपना कामकाज फिर से शुरू नहीं कर सकतीं। उन्हें अपने फायर सेफ्टी इंतजामों को तय नियमों के मुताबिक करना होगा और फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट (RFSC) का रिन्यूअल लेना होगा। अधिकारियों ने बताया कि इन जरूरतों को पूरा करने के बाद ही वे कामकाज फिर से शुरू करने के लिए जरूरी लाइसेंस के वास्ते नए सिरे से अप्लाई कर सकती हैं। चल रहे इंस्पेक्शन अभियान का मकसद कोलकाता के बाकी होटलों और गेस्ट हाउसों की जांच करना है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे जरूरी सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं या नहीं।

दलीप ट्रॉफी फाइनलः ईस्ट जोन ने साउथ जोन पर कसा शिकंजा, हासिल की विशाल बढ़त; फिर दिखा कप्तान ईशान किशन का दम

चेन्नई, 09 सितम्बर। ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी फाइनल के चौथे दिन साउथ जोन पर पकड़ मजबूत कर ली है। दिन का खेल समाप्त होने तक ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 212 रन बनाए हैं। इस तरह उसे अब तक 584 रनों की बढ़त हासिल हो चुकी है। स्टंप्स तक कुमार कुशाग्र 34 और मोहम्मद कौनेन कुरैशी 26 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले, ईस्ट जोन के 708 रन के जवाब में साउथ जोन की पहली पारी 336 रन पर ऑलआउट हुई थी। इस तरह ईस्ट जोन को पहली पारी में 372 रनों की बड़ी बढ़त मिली।

ईस्ट जोन ने साउथ जोन को फॉलोऑन नहीं खिलाते हुए खुद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, दूसरी पारी में उसकी शुरूआत अच्छी नहीं रही। ईस्ट जोन की टीम ने 13 रन पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट भी गंवा दिए। अभिमन्यु ईश्वरन तीन रन और वैभव सूर्यवंशी आठ रन बनाकर आउट हुए। ईश्वरन को मोहम्मद सिराज ने और वैभव को त्रिपुराणा विजय ने पवेलियन भेजा।

ईशान किशन का बल्ला इन दिनों काफी चल रहा है और दूसरी पारी में भी ऐसा ही देखने मिला। ईशान किशन ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में लगातार दूसरी पारी में 50 से ज्यादा का स्कोर बनाया। इस दौरान शिखर मोहन ने ईशान का बखूबी साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 126 रनों की साझेदारी हुई। ईस्ट जोन को तीसरा झटका ईशान के रूप में ही लगा।

ईशान किशन ने 98 गेंद में नौ चौके और तीन छक्के की मदद से 80 रन की पारी खेली। वहीं, शिखर ने भी अर्धशतक जड़ा और इसके बाद वह भी अपना विकेट गंवा बैठे। शिखर ने 52 रन बनाए, जबकि सुदीप कुमार घरामी दो रन बनाकर रन आउट हुए। इसके बाद कुमार कुशाग्र ने कुरैशी के साथ मिलकर मोर्चा संभाला और दिन का खेल समाप्त होने तक दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी की। साउथ जोन के लिए मोहम्मद सिराज, त्रिपुराणा विजय, एमडी नीधीश और शेख रशीद को अब तक एक-एक विकेट मिला है। इससे पहले, चौथे दिन की शुरूआत में साउथ जोन की पहली पारी 336 रन पर सिमट गई। कप्तान तिलक वर्मा का विकेट आखिरी विकेट के रूप में गिरा। वह 211 गेंद में नौ चौके के मदद से 99 रन बनाकर आउट हुए। तिलक एक रन से शतक से चूक गए। उन्हें कुरैशी ने पवेलियन भेजा। इस तरह ईस्ट जोन को पहली पारी के आधार पर 372 रन की बढ़त मिली। साथ ही साउथ जोन की टीम फॉलोऑन भी नहीं बचा सकी। साउथ जोन ने आज छह विकेट पर 242 रन से आगे खेलना शुरू किया और 94 रन बनाने में बाकी के चार विकेट गंवा दिए। साउथ जोन को आज का पहला झटका चामा मिलिंद के रूप में लगा। वह 68 गेंद में सात चौके की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए। फिर त्रिपुराणा विजय एक रन और सिराज एक रन बनाकर आउट हुए। निधीश नाबाद रहे। ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद शमी, कुरैशी और शिखर मोहन को दो-दो विकेट मिले। इससे पहले तीसरे दिन साउथ जोन के रिकी भुई एक रन, एन जगदीशन 32 रन, देवदत्त पडिक्कल 62 रन और शेख रशीद 27 रन बनाकर आउट हुए थे। स्मरण रविचंद्रन 23 रन और श्रेयस गोपाल 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी मानहानि मामले में कहा- सभी के साथ होता है समान व्यवहार

नयी दिल्ली, 09 सितम्बर। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले की सुनवाई में देरी की शिकायत पर कहा कि सभी के साथ समान व्यवहार किया जाता है। न्यायालय ने यह टिप्पणी तब की जब मानहानि मामले में शिकायतकर्ता की ओर से पेश वकील ने दावा किया कि राहुल गांधी के खिलाफ दायर मामले को लंबे समय से शीर्ष अदालत में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया है। उच्चतम न्यायालय राहुल गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पिछले साल 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती दी थी। यह मामला

2022 की उनकी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। शीर्ष अदालत ने पिछले साल चार अगस्त को लखनऊ की अदालत में लंबित इस मामले में आगे की कार्यवाही पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी थी। चार दिसंबर को उच्चतम न्यायालय ने गांधी की ओर से दायर अपील को स्वीकार करते हुए कहा था कि वह मामले पर विस्तार से सुनवाई करेगा। इसके बाद मामले को 22 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन नई पीढ़ियों को देगा राष्ट्र सेवा की प्रेरणा : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

पंचकूला, 09 सितम्बर। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पूरी दुनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, समर्पण, बलिदान और त्याग के 25 वर्षों को महसूस किया है। इस नान स्टॉप सेवाकाल के दौरान उन्होंने अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किया है।

17 सितंबर से एक माह का सेवा संकल्प अभियान नई पीढ़ियों को उनके जीवन से राष्ट्र सेवा की प्रेरणा और सीख लेने का अवसर प्रदान करेगा। यह अभियान सरकार, संगठन और समाज को एक सूत्र में पिरोते हुए जनकल्याण और सेवा की भावना को मजबूत करेगा। आज भाजपा प्रदेश मुख्यालय पंचकमल में सेवा संकल्प अभियान पर सरकार-संगठन की समन्वय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश में राजनीतिक दलों द्वारा गठजोड़ करके लंबे समय से शासन तंत्र चलाया जा रहा था, जिसे 25 साल पहले मुख्यमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने तोड़ने का काम किया और इसी तरह उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर जन-जन का भरोसा जीतकर नान स्टॉप सरकार चलाने का काम किया है। आज उनके 25 साल के सार्वजनिक जीवन में सेवाभाव की बदौलत अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को समाज की मुखयधारा में जोड़ने, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण की राजनीति को खत्म करने पर जोर दिया गया, जिससे देश की जनता संतुष्ट महसूस कर रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। निर्धारित 12 कार्यक्रमों की रूपरेखा जनभागीदारी पर आधारित होगी। प्रत्येक कार्यकर्ता अपने आसपास के दायरे में आमजन को भागीदारी के लिए प्रेरित करे।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- MHT-CET
- NEET
- Polytechnic & Engg
- JEE (Main & Advance)
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

आचार्य विनोबा भावे जयन्ती–11 सितम्बर, 2026

विनोबा भावे के भुदान एवं सर्वोदय में सबका विकास संभव

-ललित गर्ग

जब कोई राष्ट्र आर्थिक समृद्धि, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर बढ़ता है, तब उसके सामने एक बड़ा प्रश्न खड़ा होता है-क्या विकास केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम है अथवा मनुष्य के भीतर नैतिकता, करुणा, सह-अस्तित्व और जिम्मेदारी का विकास भी उसका अनिवार्य हिस्सा है? आज भारत नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में आचार्य विनोबा भावे का जीवन और चिंतन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव मनुष्य का चरित्र है। 11 सितंबर को विनोबा भावे की जयंती है। उनका मूल नाम विनायक नरहरि भावे था। वे महात्मा गांधी के निकट सहयोगी, स्वतंत्रता सेनानी, चिंतक, अध्यात्मद्रष्टा और सर्वोदय आंदोलन के प्रणेता थे। लेकिन उन्हें केवल गांधीजी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में देखना उनके विराट व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। विनोबा की अपनी स्वतंत्र वैचारिक भूमि थी। वे संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम से प्रेरित थे, भगवद्गीता उनके जीवन का आध्यात्मिक आधार थी और समाज-परिवर्तन उनके चिंतन का व्यावहारिक पक्ष।

विनोबा का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने आध्यात्मिकता को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़ा। भूदान आंदोलन इसका अद्भुत उदाहरण है। वे गाँव-गाँव पैदल गए और भूमिधरों से अपनी भूमि का एक हिस्सा भूमिहीनों के लिए दान करने का आग्रह किया। यह केवल भूमि का हस्तांतरण नहीं था, बल्कि स्वामित्व की मानसिकता से साझेदारी की चेतना की ओर बढ़ने का प्रयास था। आगे चलकर भूदान से ग्रामदान की अवधारणा विकसित हुई-सारी भूमि गोपाल की। इसमें आर्थिक न्याय के साथ सामाजिक समरसता और नैतिक उत्तरदायित्व का संदेश छिपा था। विनोबा का विश्वास था कि समाज को केवल कानूनों से नहीं, अंतरात्मा के जागरण से बदला जा सकता है। यही दृष्टि उन्हें सर्वोदय तक ले गई-ऐसा समाज जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और किसी के उत्थान की कीमत दूसरे के शोषण से न चुकानी पड़े। चंबल के डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करना उनके नैतिक नेतृत्व की शक्ति का प्रमाण था। उनके भीतर ऐसा विश्वास था कि मनुष्य मूलतः परिवर्तनशील है, आवश्यकता उसके भीतर की अच्छाई को जगाने की है।

विनोबा भावे और अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के बीच भी इसी नैतिक चेतना की गहरी साम्यता थी। जब आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से व्यक्ति-निर्माण और नैतिक जागरण का अभियान प्रारंभ किया, तब अनेक राष्ट्रीय व्यक्तित्वों ने उनके प्रयासों को सहयोग और समर्थन दिया। विनोबा भावे उनमें प्रमुख थे। दोनों महापुरुष समय-समय पर मिलते रहे और देश के निर्माण में नैतिक मूल्यों की अनिवार्यता पर गंभीर विचार-विमर्श करते रहे। उनकी दृष्टि में राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था तभी स्वस्थ हो सकती है, जब उनका संचालन नैतिक मनुष्य के हाथों में हो। दोनों की पदयात्राओं में भी एक आत्मीय जुड़ाव दिखाई देता है। पदयात्रा उनके लिए केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का माध्यम नहीं थी, वह जन-संपर्क, जन-जागरण और आत्म-संपर्क की साधना थी। विनोबा कहा करते थे कि पैदल चलने से धरती का स्पर्श होता है और प्रकृति के साथ संबंध गहरा होता है। उनके विचारों की यह अनुभूति मुझे स्वयं भी हुई। अणुव्रत आंदोलन के प्रणेता आचार्य तुलसी के साथ अनेक वर्षों तक पैदल चलने का अवसर मिला। मैंने अनुभव किया कि पैदल यात्रा केवल शरीर को गतिशील नहीं करती, वह मन और मस्तिष्क के बंद द्वार भी खोलती है। रास्ते में मिलने वाला सामान्य व्यक्ति भी शिक्षक बन जाता है और जीवन स्वयं एक खुली पाठशाला बन जाता है।

मेरे परिवार का विनोबा भावे से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरे लिए अत्यंत भावपूर्ण है। मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूप गर्ग और माता स्व. श्रीमती सत्यभामा गर्ग सर्वोदय कार्य से जुड़े हुए थे। वर्ष 1959 में विनोबा भावे पदयात्रा करते हुए अजमेर आए। उन्हें जानकारी मिली कि उनकी कार्यकर्त्री सत्यभामा गर्ग कैंसर से पीड़ित हैं और जीवन-मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही हैं। वे उनसे मिलने इमली मोहल्ले की संकरी गलियों से होते हुए तीसरी मंजिल तक गए और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। यह घटना बताती है कि विनोबा का नेतृत्व केवल बड़े मंचों और आंदोलनों तक सीमित नहीं था। वे व्यक्ति के दुख को अपना दुख मानने वाले करुणाशील संत थे। इसी क्रम में अजमेर के निकट हटूंडी में आयोजित सर्वोदय सम्मेलन का प्रसंग भी उल्लेखनीय है। मेरे पिता सर्वोदय के सक्रिय कार्यकर्ता थे। उस सम्मेलन में वे आचार्य तुलसी के शिष्य मुनि राकेश कुमार जी को भी लेकर गए। वहां विनोबा भावे के साथ उनकी लंबी और सार्थक चर्चाएँ हुईं। यह केवल दो विचारधाराओं का संवाद नहीं था, बल्कि उस समय के दो नैतिक प्रवाहों का मिलन था-सर्वोदय की सामाजिक चेतना और अणुव्रत की व्यक्तिगत नैतिक साधना। दोनों का लक्ष्य अंततः एक ही था-मनुष्य बदले, समाज बदले और राष्ट्र नैतिक शक्ति के आधार पर आगे बढ़े।

विनोबा का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि महान व्यक्तित्वों का मूल्यांकन उनकी उपलब्धियों के साथ उनकी मानवीय सीमाओं और ऐतिहासिक संदर्भों में भी होना चाहिए। आपातकाल के दौरान उनके अनुशासन पर्व संबंधी कथन ने उनके सार्वजनिक जीवन पर प्रश्न भी खड़े किए। किंतु किसी एक राजनीतिक प्रसंग से उनके पूरे जीवन के सामाजिक, आध्यात्मिक और रचनात्मक योगदान को नकारना उचित नहीं होगा। महापुरुषों को मूर्ति बनाकर पूजना जितना आसान है, उनके विचारों को आलोचनात्मक समझ के साथ जीवन में उतारना उतना ही कठिन। विनोबा ने अपने जीवन के अंतिम चरण में जैन धर्म की संलेखना-संथारा की भावना से प्रेरित होकर भोजन और दवा का त्याग किया और 15 नवंबर 1982 को देह का परित्याग किया। उनका जीवन कर्म, चिंतन, त्याग और लोकमंगल की निरंतर यात्रा था।

आज भारत विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत कर रहा है। डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, स्टार्टअप, विज्ञान और तकनीक हमें नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। लेकिन विकसित भारत का वास्तविक अर्थ तब पूरा होगा, जब विकास के साथ विवेक भी बढ़े, संपन्नता के साथ संवेदना बढ़े और अधिकारों के साथ कर्तव्यबोध भी मजबूत हो। यही वह स्थान है जहां विनोबा आज भी हमारे समकालीन बन जाते हैं। भूदान आज भूमि से आगे बढ़कर संसाधनों के न्यायपूर्ण उपयोग का संदेश बन सकता है। ग्रामदान आज सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय विकास की प्रेरणा बन सकता है। सर्वोदय आज सबका विकास को केवल नारे से आगे ले जाकर सामाजिक समरसता का आधार बन सकता है और अणुव्रत की चेतना आज सार्वजनिक जीवन में चरित्र, संयम और नैतिक अनुशासन की आवश्यकता को रेखांकित कर सकती है। विनोबा जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके जीवन को इतिहास की पुस्तक में बंद न करें, बल्कि नए भारत के चरित्र-निर्माण की परियोजना से जोड़ें। भारत को विकसित बनाने के लिए हमें केवल तेज गति से चलने वाली अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि सही दिशा में चलने वाला मनुष्य चाहिए। विनोबा की पदयात्रा का यही सबसे बड़ा संदेश है-राष्ट्र की यात्रा बाहर से नहीं, भीतर से शुरू होती है। भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के अंत्योदय, विनोबा भावे के सर्वोदय और दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। इस तरह विनोबा जाति की संकीर्ण दीवारों को तोडऱ्ना चाहते थे, वे कहा करते थे जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी। वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं। विनोबा चरित्र क्रांति के साथ-साथ विचार-क्रांति के पुरोधा रहे। उनके द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी इन्हीं महापुरुषों के योगदान के कारण पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है।

देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान, कितना बदल गया इंसान...

अशोक भाटिया

दशकों पहले कवि प्रदीप की कलम से निकले ये शब्द आज सिर्फ एक पुरानी हिंदी फिल्म की पंक्तियाँ बनकर नहीं रह गए हैं, बल्कि हमारे समकालीन समाज का सबसे कड़वा, नग्न और खौफनाक सच बन चुके हैं। जब हम रोज सुबह चाय की चुस्कियों के साथ समाचार पत्रों के पन्नों को पलटते हैं या टेलीविजन स्क्रीन पर चौबीसों घंटे फ्लैश होती सनसनीखेज ब्रेकिंग न्यूज को देखते हैं, तो रूह भीतर तक कांप उठती है और अंतरात्मा झकझोर दी जाती है। हाल ही में देश के कानपुर से सामने आई एक दिल दहला देने वाली घटना ने हमारे सामूहिक पारिवारिक ताने-बाने और आपसी विश्वास के ताबूत पर जैसे आखिरी कील ठोकने का काम किया है। इस वीभत्स घटना में एक बहू ने महज चंद रुपयों, जमीन के एक टुकड़े और बैंक खातों में जमा संपत्ति के लालच में आकर अपने ही ससुर की भाड़े के पेशेवर हत्यारों से बेरहमी से हत्या करवा दी। यह एक ऐसी घटना है जो किसी भी संवेदनशील इंसान को यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि क्या हम वास्तव में एक सभ्य समाज में रह रहे हैं या फिर हम वापस आदिम युग के उस खूंखार जंगल राज की तरफ बढ़ रहे हैं जहाँ केवल ताकत और स्वार्थ ही एकमात्र कानून होते थे।

यह घटना कोई अकेली, अप्रत्याशित या अपवाद स्वरूप घटी वारदात नहीं है, बल्कि यह उस गहरे, निरंतर बढ़ते सामाजिक और नैतिक पतन का एक जीता-जागता और डरावना प्रतीक है जिसने हमारे पारंपरिक पारिवारिक ढांचे को भीतर से पूरी तरह खोखला और जर्जर कर दिया है। भारत जैसे देश में, जहाँ सदियों से सास-ससुर को माता-पिता के समकक्ष का पूजनीय दर्जा दिया जाता रहा है, जहाँ बुढ़ापे की लाठी बनना और बुजुर्गों की सेवा करना संतान का परम धार्मिक और नैतिक कर्तव्य माना जाता रहा है, वहाँ आज खून के और कानून के पवित्र रिश्ते पानी से भी ज्यादा पतले और बेअसर हो चुके हैं। आज का आधुनिक इंसान पैसे की अंधी दौड़ में, चकाचौंध की अंधी हसरत में इस कदर अंधा और बहरा हो चुका है कि उसे रिश्तों की पवित्रता, मयार्दा, सामाजिक लोक-लाज और बुनियादी मानवीय संवेदनाओं का रत्ती भर भी अहसास नहीं रह गया है।

आज के इस भौतिकवादी युग को यदि हम 'पूंजीवादी सनक और बाजारवाद' का चरम दौर कहें, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि आज के आधुनिक समाज में किसी भी व्यक्ति का वास्तविक मूल्यांकन उसके चरित्र, उसकी ईमानदारी, उसके मानवीय व्यवहार या उसके ऊंचे संस्कारों से नहीं होता, बल्कि पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करता है कि उसका बैंक बैलेंस कितना भारी है, उसके पास कितनी अचल संपत्तियां हैं और उसका सामाजिक रसूख कितना बड़ा है। जब एक पूरे समाज की सोच इतनी सतही, बाजारू और संवेदनहीन हो जाती है, तो परिवारों के भीतर भी पवित्र और निस्वार्थ रिश्तों की जगह विशुद्ध 'अर्थशास्त्र' और व्यापार प्रवेश कर जाता है। ससुर की हत्या की इस हालिया घटना के पीछे भी वही सड़ा हुआ और हिंसक अर्थशास्त्र काम कर रहा था जिसे हम 'त्वरित धन' यानी रातों-रात बिना मेहनत के अमीर बनने की जानलेवा चाहत कह सकते हैं। आधुनिक जीवनशैली की चमचमाती चकाचौंध, सोशल मीडिया द्वारा परोसा जाने वाला विलासिता का भ्रम और बिना किसी कड़े परिश्रम के सब कुछ तुरंत हासिल कर लेने की जिद ने आज की युवा पीढ़ी के एक बड़े और संवेदनशील हिस्से को गंभीर रूप से मानसिक रोगी या अपराधी बना दिया है। जब एक बहू अपने घर के सबसे बुजुर्ग सदस्य को एक मार्गदर्शक, एक रक्षक या पिता के रूप में न देखकर, केवल एक 'अचल संपत्ति के दस्तावेज' या 'बैंक लॉकर की चाबी' के रूप में देखने लगती है, तो जघन्य अपराध की अंतिम पटकथा उसी पल लिख दी जाती है। यह वास्तव में केवल एक वृद्ध व्यक्ति की शारीरिक हत्या नहीं है, बल्कि यह उस भरोसे, उस सुरक्षा और उस ममता की सामूहिक हत्या है जिसके दम पर एक संयुक्त भारतीय परिवार की मजबूत नींव सदियों से टिकी हुई थी; यह उस गहरे विश्वास का कत्ल है जो एक बुजुर्ग अपने ही खून से सींचे गए घर में सुरक्षित महसूस करने के लिए करता है।

यदि हम संकुचित सोच से बाहर निकलकर अपने आस-पास के व्यापक समाज पर नजर दौड़ाएं, तो ऐसे दिल दहला देने वाले उदाहरणों की एक लंबी, अंतहीन और खौफनाक फेहरिस्त हमारे सामने आकर खड़ी हो जाती है जो यह अकाट्य रूप से साबित करती है कि इंसान वक्त के साथ कितना आत्मघाती रूप से बदल चुका है। देश के किसी न किसी कोने से हर दिन यह विचलित करने वाली खबर आती है कि महज चार इंच जमीन के टुकड़े के लिए, पैतृक मकान के एक छोटे से हिस्से के लिए या फिर मामूली से विवाद के कारण एक सगे भाई ने अपने ही भाई की कुल्हाड़ी से काटकर या गोली मारकर जान ले ली। जिस भारतीय समाज ने रामायण में लक्ष्मण जैसा निस्वार्थ भाई देखा हो, जिसने भरत जैसा अनुपम और अभूतपूर्व त्याग देखा हो, उसी समाज में आज भाई का सबसे बड़ा, सबसे घातक और क्रूर दुश्मन उसका अपना ही सगा भाई बना बैठा है। इतना ही नहीं, आज महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक में फल-फूल रहे आलीशान और महंगे वृद्धाश्रमों में रहने वाले अधिकांश लाचार बुजुर्ग किसी अनाथालय से आए हुए अभागे बच्चे नहीं हैं; बल्कि वे उन बेहद अमीर, तथाकथित शिक्षित, सुसंस्कृत और 'सफल' बच्चों के बदनसीब माता-पिता हैं जो उन्हें अपने करोड़ों के फ्लैट में रखने के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि वे उनके आधुनिक और स्वतंत्र जीवन में एक बोझ की तरह नजर आते थे। कई मामलों में तो यह भी देखा गया है कि बच्चे चालाकी से माता-पिता की गाढ़ी कमाई, उनकी पेंशन और उनके बैंक खातों को धोखे से अपने नाम करवा लेते हैं और उसके तुरंत बाद उन्हें सड़कों पर, बस अड्डों पर या किसी अनजान धार्मिक स्थल के बाहर हमेशा के लिए भीख मांगने और तिल-तिल कर मरने के लिए बेसहारा छोड़ देते हैं। पिछले कुछ वर्षों में पुलिस और अदालतों में ऐसे भी कई दिल दहला देने वाले मामले दर्ज किए गए हैं जहाँ पति या पत्नी ने केवल भारी-भरकम बीमा राशि (इंश्योरेंस क्लेम) हड़पने के लिए या किसी विवाहेतर संबंध के रास्ते से कांटे को हटाने के लिए अपने ही जीवनसाथी की खौफनाक तरीके से हत्या की साजिश रची और उसे एक सामान्य सड़क दुर्घटना या बीमारी का रूप देने की शातिर कोशिश की। सात जन्मों तक सुख-दुख में साथ निभाने का वह पवित्र अग्नि के सामने लिया गया वादा, चंद लाख रुपयों के नोटों की गड्डियों के आगे घुटने टेक देता है और पूरी तरह दम तोड़ देता है। ये तमाम जीवित और भयावह उदाहरण चीख-चीख कर समूची मानवता से कह रहे हैं कि आज का इंसान भावनाओं, संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों से पूरी तरह शून्य हो चुका है, उसके भीतर का संवेदनशील 'इंसान' मर चुका है और केवल एक ऐसा लालची 'उपभोक्ता' जिंदा बचा है जो हर एक रिश्ते को मुनाफे और नुकसान के तराजू पर तौलता है।

हमारी इस अंधी और अनियंत्रित दौड़ ने 'संस्कृति' और 'आधुनिकता' के बीच एक ऐसा भयानक अंतर्विरोध पैदा कर दिया है जिसने हमें मानसिक रूप से पंगु बना दिया है। हम अक्सर बड़े गर्व से, मंचों पर खड़े होकर दहाड़ते हुए कहते हैं कि हम एक महान सांस्कृतिक विरासत, वेदों और उपनिषदों वाले देश के निवासी हैं जहाँ 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'मातृ देवो भव, पितृ देवो भव' का पाठ पढ़ाया जाता है, लेकिन जब जमीनी हकीकत का सामना होता है, तो हमारा यह ढोंग और दोगलापन पूरी तरह बेनकाब हो जाता है। हम आधुनिक तो जरूर बन रहे हैं, लेकिन हमारी यह आधुनिकता केवल पश्चिमी देशों के पहनावे, उनके खान-पान, उनके गैजेट्स और उनकी जीवनशैली की अंधी नकल तक ही सीमित रह गई है; हमने उनकी वैज्ञानिक सोच, समय की पाबंदी, कानून के प्रति अटूट सम्मान और उनकी नागरिक चेतना को अपने भीतर कभी आत्मसात नहीं किया। परिणाम यह हुआ कि हम न तो पूरी तरह से आधुनिक और तार्किक बन पाए और न ही अपनी पुरानी समृद्ध नैतिक जड़ों को बचा कर रख पाए, बल्कि हम अधर में लटके एक ऐसे विकृत समाज में तब्दील हो गए हैं जो भीतर से बेहद हिंसक, असहिष्णु, खोखला और खतरनाक है।

देश में बुजुर्गों के संरक्षण के लिए कानून तो मौजूद हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन इतना लचर और कछुआ गति से होता है कि अपराधी बेखौफ घूमते हैं, इसलिए सरकार को ऐसे पारिवारिक अपराधों और बुजुर्गों के साथ होने वाली क्रूरता के मामलों के लिए विशेष त्वरित अदालतें बनाकर अपराधियों को इतनी कठोर और त्वरित सजा देनी चाहिए जो पूरे समाज के लिए एक खौफनाक नजीर बन सके। अंततः, यह पूरी तरह स्पष्ट है कि बहू द्वारा ससुर की पैसों के लिए हत्या की यह घटना केवल पुलिस की एक क्रिमिनल फाइल का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह हमारे समूचे समाज की आत्मा पर लगा एक ऐसा गहरा और अमिट दाग है जिसे साफ करने में न जाने कितनी पीढ़ियां खप जाएंगी। कवि प्रदीप ने जब दशकों पहले लिखा था कि ₹सूरज ना बदला, चाँद ना बदला, ना बदला रे आसमान, कितना बदल गया इंसान...₹ तो उनके मन में भी इंसानियत के इसी पतन को लेकर एक गहरी छटपटाहट और पीड़ा रही होगी। अब समय आ गया है कि हम भौतिकता की इस अंधी दौड़ की रफ्तार को धीमा करें और अपने बच्चों को तिजोरियों में बंद नोटों के बजाय संस्कारों की असली और स्थाई वसीयत सौंपें, क्योंकि जब तक इंसान के भीतर की इंसानियत जिंदा नहीं होगी, तब तक कोई भी समाज सुंदर, सुरक्षित और जीने योग्य कभी नहीं बन सकता।

योगी-अखिलेश की सियासत में जमीन से सोशल मीडिया तक संग्राम

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच की चुनावी तनातनी अब केवल राजनैतिक रैलियों या सदन के पटल तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी यह संघर्ष एक बेहद आक्रामक और वर्चुअल जंग का रूप ले चुका है। जैसे-जैसे आगामी विधानसभा चुनावों का समय नजदीक आ रहा है, दोनों दलों के बीच राजनीतिक और वैचारिक द्वंद के तौर-तरीके भी पूरी तरह बदल चुके हैं। अब मंच के भाषणों से ज्यादा एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड होने वाले तीखे वीडियो, मीम्स, एआई जनरेटेड कंटेंट और ताबड़तोड़ बयानों ने मुख्य राजनीतिक युद्धभूमि का स्थान ले लिया है। इस वर्चुअल रणक्षेत्र में दोनों नेता एक-दूसरे की नीतियों, व्यक्तिगत छवि और राजनीतिक अतीत को कटघरे में खड़ा करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और सोशल मीडिया ट्रेंड्स का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे उत्तर प्रदेश का राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

ताजा मामला आज का है, जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सहारनपुर दौरे के दौरान उनके हेलीकॉप्टर को उतरने की अनुमति न मिलने पर सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर गरमा गया। समाजवादी पार्टी ने इस घटना को सत्ताधारी दल की गहरी राजनीतिक बौखलाहट और तानाशाही रवैये का प्रतीक करार दिया है। पार्टी नेताओं का आरोप है कि बढ़ते जनाधार से घबराई भारतीय जनता पार्टी सरकार जानबूझकर विपक्षी दलों के कार्यक्रमों में प्रशासनिक अड़ंगे लगा रही है, ताकि लोकतंत्र की आवाज को दबाया जा सके। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी और प्रशासनिक अधिकारियों ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि हेलीकॉप्टर की लैंडिंग की अनुमति सुरक्षा और ऐनवक्त पर तय किए गए सुरक्षा मानकों के अनुपालन न होने के कारण नहीं दी गई थी। सत्तारूढ़ दल का कहना है कि विपक्ष हर प्रशासनिक प्रक्रिया को राजनीतिक रंग देकर सनसनी फैलाने की कोशिश करता है और कानून के नियमों से ऊपर उठकर काम करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर से राज्य में सत्ता पक्ष और मुख्य विपक्षी दल के बीच की राजनीतिक रस्साकशी को और अधिक तीखा बना दिया है, जहां हर छोटी घटना पर दोनों दल एक-दूसरे को कटघरे में खड़ा करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं।

प्रदेश की राजनीति में इस हाई-टेक टकराव का सबसे बड़ा और प्रमुख आधार धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दे बने हुए हैं, जिनमें विशेष रूप से अयोध्या और राम मंदिर से जुड़े विषय शामिल हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से मंदिर निर्माण में दान और चढ़ावे में हेराफेरी जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दों को उठाकर सीधे तौर पर सरकार की पारदर्शिता को कटघरे में खड़ा किया है। इसके जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा खेमे ने भी सोशल मीडिया पर आक्रामक रुख अपनाते हुए विपक्ष पर सनातन आस्था को ठेस पहुंचाने और धार्मिक स्थलों की गरिमा को धूमिल करने के षड्यंत्र रचने का करारा आरोप लगाया है। इस वैचारिक और डिजिटल रस्साकशी के दौरान कई बार मामला तब और अधिक बिगड़ जाता है, जब दोनों तरफ से एआई-जनरेटेड वीडियो या डिजिटल कैरिकेचर का इस्तेमाल करके एक-दूसरे के शीर्ष नेतृत्व को सीधे तौर पर निशाना बनाया जाता है। इस तरह के विजुअल और ऑडियो टूल्स के जरिए जब तीखे व्यंग्य और आरोप प्रसारित किए जाते हैं, तो इंटरनेट पर दोनों दलों के समर्थकों के बीच एक वर्चुअल युद्ध छिड़ जाता है, जो कई बार राजनीतिक मयार्दाओं की सीमा को भी लांघने लगता है। डिजिटल जंग का दूसरा सबसे बड़ा और धारदार आधार कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक कार्यशैली और व्यक्तिगत आक्षेप हैं, जिन्हें दोनों नेता अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने के लिए मुख्य हथियार बना रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी हर सभा और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सपा के पुराने शासनकाल को गुंडाराज, माफिया राज और तुष्टीकरण की पराकाष्ठा के रूप में चित्रित करते हैं, वहीं वे समाजवादी पार्टी को परिवार का सिंडिकेट करार देते हुए यह साबित करने की कोशिश करते हैं कि इस पार्टी की पूरी धुरी केवल एक ही परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। इसके विपरीत, अखिलेश यादव सोशल मीडिया पर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉमूर्ले को आगे बढ़ाते हुए मौजूदा सरकार पर तानाशाही, बेरोजगारी, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ और भेदभावपूर्ण प्रशासनिक कार्रवाई के गंभीर आरोप मढ़ते हैं। अखिलेश यादव अक्सर मुख्यमंत्री के दौरों, उनके भाषणों के तेवर और प्रशासनिक कदमों पर सवाल उठाते हुए तीखे व्यंग्य भरे पोस्ट करते हैं, जिनका सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता और खुद मुख्यमंत्री आंकड़ों और तीखे बयानों के साथ पलटवार करते हैं। यह डिजिटल और सियासी द्वंद्व इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आने वाले चुनावों में जीत-हार का फैसला केवल रैलियों से नहीं, बल्कि जनमानस की सोच को सोशल मीडिया के जरिए प्रभावित करने की क्षमता से भी तय होगा। जब भी सत्ता पक्ष की ओर से कोई विकास परियोजना का उद्घाटन किया जाता है या कोई बड़ा नीतिगत निर्णय लिया जाता है, तो विपक्ष फौरन डिजिटल प्लेटफार्म्स पर उसके दूसरे पहलुओं को उजागर कर देता है, और इसके उलट विपक्ष के हर हमले का जवाब देने के लिए सत्ताधारी दल का आईटी सेल और वरिष्ठ नेता पूरी मुस्तैदी से मैदान में डटे रहते हैं। इस वर्चुअल संघर्ष ने न केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को बेहद व्यक्तिगत और आक्रामक बना दिया है, बल्कि आम जनता और खासतौर पर युवा वर्ग के स्मार्टफोन की स्क्रीन पर हर पल राजनीतिक सरगर्मी को जिंदा रखा है। दोनों ही नेता जनता के बीच यह संदेश देने की होड़ में हैं कि कौन उत्तर प्रदेश के असल मुद्दों का सच्चा हितैषी है और कौन केवल डिजिटल प्रोपेगैंडा में व्यस्त है, जिसके चलते यह चुनावी जंग अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां हर एक ट्वीट, हर एक वीडियो और हर एक बयान का राजनीतिक नफा-नुकसान बहुत दूर तक असर डालता है।

मिट्टी बचेगी, तभी खेती बचेगी

-प्रियंका सौरभ

भारतीय कृषि अब एक नए युग की ओर अग्रसर है, जहाँ विकास का आकलन करने के लिए केवल वृद्धि ही एकमात्र मापदंड नहीं रह गया है। मिट्टी की घटती उर्वरता, भूजल की कमी, जैव विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तनशीलता और बढ़ती खेती लागत के कारण किसान और कृषि क्षेत्र पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। इस संदर्भ में, पुनर्योजी कृषि एक आशाजनक मार्ग है। यह एक समग्र दृष्टिकोण है जो न केवल वर्तमान प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करेगा, बल्कि वास्तव में मिट्टी के स्वास्थ्य, जैव विविधता, जल प्रणालियों और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों को बेहतर बनाकर कृषि उत्पादकता को बनाए रखेगा। मुख्य बात पुनर्योजी कृषि पर ध्यान केंद्रित करना और कृषि के पारिस्थितिक स्तंभों को पुनर्स्थापित करना है। गहन खेती, रासायनिक इनपुट पर अत्यधिक निर्भरता और एक ही फसल की खेती के कारण पिछले कई दशकों से कुछ क्षेत्रों में पोषक तत्वों का असंतुलन और मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो गई है। पुनर्योजी कृषि वह दृष्टिकोण है जिसमें जीवित मिट्टी कृषि उत्पादन का केंद्र होती है। खाद बनाना, हरी खाद का उपयोग, फसल अवशेष प्रबंधन और जैविक पदार्थों का उपयोग सहित मृदा प्रबंधन, मिट्टी की संरचना, उसकी प्रतिक्रियाशीलता और पोषक तत्व चक्रण को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।मिट्टी को ढककर रखने का सिद्धांत एक और महत्वपूर्ण पहलू है। मिट्टी आसानी से कटाव के कारण नष्ट हो जाती है, और अत्यधिक वाष्पीकरण या तापमान में अचानक बदलाव से भी क्षतिग्रस्त हो सकती है। मल्चिंग, आवरण फसलें और अवशेषों को मिट्टी में बनाए रखने से मिट्टी की सतह को बनाए रखने और नमी को बनाए रखने में मदद मिलती है। विशेष रूप से वर्षा आधारित और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में, यह उपयोगी है क्योंकि इससे मिट्टी के स्वास्थ्य और नमी को बनाए रखने में सुधार होता है, जिससे फसलों पर सूखे की अल्पकालिक अवधि का प्रभाव कम हो जाता है।

पुनर्योजी कृषि यह भी समझती है कि जैव विविधता कृषि उत्पादकता के लिए एक बोझ नहीं बल्कि एक संपत्ति है। फसल विविधीकरण, कृषि वानिकी, मिश्रित खेती और एकीकृत कृषि प्रणालियों को लागू करके अधिक लचीले उत्पादन परिदृश्य विकसित किए जा सकते हैं। फसलों और पशुधन, मत्स्य पालन या वृक्षों के साथ प्रबंधित कृषि भूमि कृषि आय में विविधता लाने और पोषक तत्व चक्रण में सुधार करने में मदद कर सकती है। इस प्रकार की प्रणालियाँ लाभकारी कीटों और अन्य जीवों का समर्थन करने में भी मदद कर सकती हैं, बजाय इसके कि प्रणाली को अधिक कमजोर और कुछ मामलों में बाहरी इनपुट पर निर्भर बना दें।जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर यह बदलाव और भी महत्वपूर्ण हो गया है। वर्षा का पैटर्न अनियमित होता जा रहा है, लू की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं और सूखा एवं बाढ़ आम होती जा रही हैं। अनियमित वर्षा, लू, सूखा एवं बाढ़ तथा कीटों की बदलती आबादी भारतीय किसानों के सामने चुनौतियों को बढ़ा रही है। पुनर्योजी पद्धतियों से मृदा में कार्बनिक कार्बन, जल धारण क्षमता और जैविक गतिविधि में वृद्धि होती है, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रति सहनशीलता विकसित करने में मदद मिल सकती है। फसल विविधता से किसी एक फसल को जलवायु परिवर्तन के झटके से होने वाली कुल कृषि आय के नुकसान के जोखिम को कम किया जा सकता है। इसी प्रकार, एकीकृत कृषि विभिन्न उत्पादन स्रोतों से उत्पन्न आर्थिक जोखिमों को कम कर सकती है। यह बदलाव जल प्रबंधन का अभिन्न अंग होना चाहिए। सिंचाई अभी भी ताजे पानी की सबसे बड़ी खपत करने वाली प्रणालियों में से एक है और यह अनिवार्य है कि सिंचाई कुशलतापूर्वक की जाए। जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर सिंचाई) को पुनर्योजी मृदा प्रबंधन के साथ प्रयोग किया जा सकता है। उपयुक्त फसल चयन, मृदा नमी प्रबंधन और अच्छे कृषि प्रबंधन के अलावा, सरकार द्वारा 'प्रति बूंद अधिक फसल' जैसी पहल भी महत्वपूर्ण हो सकती है। इसका एक और संभावित लाभ महंगे बाहरी इनपुट पर निर्भरता में कमी आना है। सही ढंग से तैयार और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध होने पर, कम बाहरी इनपुट वाली कृषि पद्धतियाँ प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले कुछ रासायनिक इनपुट की लागत को कम कर सकती हैं। लेकिन पुनर्योजी कृषि की अवधारणा को एक सर्वव्यापी समाधान के रूप में न बेचें। भारत में मिट्टी के प्रकार, फसलों की किस्में, वर्षा और कृषि पद्धतियाँ अत्यधिक विविध हैं। हरियाणा के अर्ध-शुष्क क्षेत्र में कारगर रणनीतियाँ केरल या असम के आर्द्र कृषि क्षेत्र में समान परिणाम नहीं दे सकती हैं।

क्षेत्रीय विविधता भी पुनर्योजी कृषि को व्यापक स्तर पर लागू करने में एक बड़ी चुनौती है। किसानों के लिए यह परिवर्तन काल अनिश्चित हो सकता है, विशेषकर यदि उत्पादन को नए स्वरूप में ढलने में समय लगे। सीमित वित्तीय संसाधनों वाले छोटे और सीमांत किसानों के लिए परिवर्तन की लागत चुनौतीपूर्ण हो सकती है। इसके अलावा, 'पुनर्योजी कृषि' के लिए व्यापक ज्ञान की आवश्यकता होती है। किसानों को फसल चक्र, पोषक तत्व प्रबंधन, कीट प्रबंधन, अवशेष प्रबंधन, पशुधन एकीकरण और जल प्रबंधन के बारे में निरंतर जानकारी चाहिए होती है।

दूसरी महत्वपूर्ण कमी बाजार की है। बाजार में मान्यता और/या किसानों के अतिरिक्त प्रयासों और जोखिम भरे बदलावों के लिए पुरस्कार के बिना, किसानों द्वारा पर्यावरण के लिए लाभकारी प्रथाओं को व्यापक स्तर पर अपनाना मुश्किल है। प्रमाणन, पता लगाने की क्षमता, उत्पादक संगठनों, संस्थागत खरीद और विभेदित बाजार अवसरों को मजबूत करके इन प्रोत्साहनों को बढ़ावा दिया जा सकता है। साथ ही, नीति निमार्ताओं को जटिल अनुपालन प्रणालियाँ नहीं बनानी चाहिए, जो छोटे किसानों के लिए बहुत महंगी साबित होती हैं।

इसलिए, वैज्ञानिक प्रमाणीकरण, किसानों की भागीदारी और क्षेत्र-विशिष्ट कार्यान्वयन को आगे बढ़ने के मार्ग का मुख्य केंद्र बिंदु होना चाहिए। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) कृषि-जलवायु क्षेत्रों के आधार पर कृषि के पुनर्जनन पर प्रयोगों और प्रथाओं को डिजाइन और प्रदर्शित कर सकते हैं। मृदा कार्बनिक कार्बन, उपज, जल उपयोग, इनपुट लागत, कृषि आय और जैव विविधता में होने वाले परिवर्तनों का आकलन करने के लिए क्षेत्र परीक्षण और दीर्घकालिक प्रदर्शन आवश्यक हैं।

मौजूदा कार्यक्रमों के एकीकरण में भी सुधार होना चाहिए। मृदा, जल और जलवायु से संबंधित कार्यक्रम अलग-अलग होने के बजाय एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं, उदाहरण के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन (एनएमएनएफ) और सूक्ष्म सिंचाई पहलों आदि के पूरक हो सकते हैं। किसानों के लिए जोखिम को संक्रमणकालीन वित्तपोषण, उपलब्ध विस्तार सेवाओं, किसान-उत्पादक संगठनों और बाजारों से विश्वसनीय संपर्कों के माध्यम से कम किया जा सकता है। पुनर्योजी कृषि को अतीत की प्रथाओं की वापसी या आधुनिक कृषि विज्ञान की अस्वीकृति के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसकी ताकत पारिस्थितिक सिद्धांतों और वैज्ञानिक ज्ञान के संयोजन में निहित है, जो उपयुक्त प्रौद्योगिकी और किसानों के ज्ञान और अनुभव के साथ मिलकर काम करता है। इसका लक्ष्य उत्पादक कृषि प्रणालियों का विकास करना है जो भविष्य के उत्पादन के लिए संसाधनों को पुनर्जीवित कर सकें।

हालांकि, भारतीय कृषि के भविष्य को निर्धारित करने वाला एकमात्र कारक कृषि क्षेत्र की उत्पादकता नहीं है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि कल के भोजन के लिए मिट्टी, जल और जैव विविधता स्वस्थ हों। पुनर्योजी कृषि हमें बाहरी संसाधनों पर निर्भर उत्पादन प्रणालियों से हटकर पारिस्थितिकी तंत्र की उत्पादकता पर आधारित प्रणालियों की ओर बढ़ने का अवसर प्रदान करती है। साक्ष्य-आधारित नीतियों, किसान-हितैषी प्रोत्साहनों, सशक्त विस्तार प्रणालियों और स्थानीय रूप से उपयुक्त मॉडलों के माध्यम से भारत कृषि को अधिक लचीला, टिकाऊ और पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित बना सकता है।

चार करोड़ के सोने की चोरी का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

◆4.30 किलो सोने के आभूषण चोरी करने वाले आरोपियों का 1200 किमी तक पीछा कर राजस्थान में दबोचा; 3.25 करोड़ के आभूषण, नकदी और कार सहित करीब 3.38 करोड़ की संपत्ति बरामद

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड पूर्व स्थित श्री शगुन गोल्ड ज्वैलर्स की दुकान से करीब चार करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण चोरी होने के मामले का नवघर पुलिस स्टेशन और काशिमीरा स्थित क्राइम डिटेक्शन सेल-01 की संयुक्त टीम ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने के आभूषण, नकदी, कार और मोबाइल फोन समेत करीब 3.38 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की गई है। दुकान में काम करने वाले कर्मचारी ने रची साजिश पुलिस के अनुसार, नवघर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 462/2026 के तहत 20 अगस्त 2026 को मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता राजेश बसंतीलाल बापना (42), श्री शगुन गोल्ड ज्वैलर्स के मालिक हैं। उनकी दुकान उपवन बिल्डिंग, क्वींस पार्क, मीरा रोड पूर्व में स्थित है। शिकायत के मुताबिक, 19 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे से 4 बजे के बीच दुकान में कार्यरत कर्मचारी ने शिकायतकर्ता की अनुमति के बिना करीब 4 किलो 300 ग्राम सोने के आभूषण, जिसकी कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये थी, चोरी कर लिए।

मामला दर्ज होते ही पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। 1200 किलोमीटर तक पीछा, राजस्थान में गिरफ्तारी जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों के राजस्थान की ओर भागने की जानकारी मिली। इसके बाद नवघर पुलिस स्टेशन और क्राइम डिटेक्शन सेल-01 की टीम ने आरोपियों का लगातार पीछा किया। पुलिस टीम ने करीब 1200 किलोमीटर तक वाहन से पीछा करते हुए हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान तक आरोपियों की तलाश की। आखिरकार 25 अगस्त 2026 की सुबह करीब 5 बजे राजस्थान के चांदवाजी पुलिस स्टेशन, जयपुर ग्रामीण क्षेत्र से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान–

1. दिनेश भवारसिंह चौहान (20), निवासी कमलीघाट, तहसील देवगढ़, जिला राजसमंद, राजस्थान। 2. ललित चुनासिंह चौहान (23), निवासी पिपली नगरबेरा, जिला राजसमंद, राजस्थान। के रूप में हुई है। चार आरोपियों ने मिलकर रची थी साजिश, पुलिस जांच में सामने आया है कि चोरी की वारदात को कथित तौर पर संगठित तरीके से अंजाम दिया गया। पुलिस के अनुसार इस आपराधिक साजिश में चार लोग शामिल थे। इनमें दिनेश भवारसिंह चौहान, ललित चुनासिंह चौहान के अलावा महावीरसिंह किसानसिंह रावत (28) तथा मेहुल नंदसिंह सिसोदिया (27) के नाम सामने आए हैं। दोनों राजस्थान के राजसमंद जिले के निवासी बताए गए हैं। 3.25 करोड़ के सोने के आभूषण बरामद पुलिस ने कार्रवाई के दौरान चोरी की गई संपत्ति में से 3 करोड़ 25 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण एवं चूड़ियां, 5 लाख 33 हजार रुपये नकद, वारदात में इस्तेमाल की गई करीब 8 लाख रुपये मूल्य की मारुति सुजुकी बलेनो कार तथा दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इस प्रकार पुलिस ने मामले में बड़ी मात्रा में चोरी की संपत्ति बरामद कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

अंताक्षरी में भिवंडी की बेटियों का जलवा, जी.एम. मोमिन वीमेंस कॉलेज स्टडी सेंटर की टीम द्वितीय

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। बज्म-ए-अहबाब फाउंडेशन एवं उर्दू विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार, 8 सितंबर 2026 को मुंबई स्थित मराठी भाषा भवन ऑडिटोरियम में अंतरमहाविद्यालयीन अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की कुल 12 टीमों ने हिस्सा लिया। यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र ओपन यूनिवर्सिटी, नासिक द्वारा संचालित के.एम.ई. सोसायटी के जी. एम. मोमिन वीमेंस कॉलेज स्टडी सेंटर, भिवंडी की ओर से अंसारी अजवा शीरीन (बी.ए. प्रथम वर्ष) एवं अंसारी उम्मे मारिया (एम.ए. द्वितीय वर्ष) की टीम ने प्रतियोगिता में भाग लिया। छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्णायकों के सर्वसम्मत निर्णय के आधार पर द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। वहीं, टीम की सदस्य अंसारी अजवा शीरीन को उनकी प्रभावी प्रस्तुति एवं बेहतरीन शेर-पाठ के लिए ह्यसर्वश्रेष्ठ बेतख़्वाँह्न के सम्मान से भी नवाजा गया। छात्राओं का मार्गदर्शन सूफिया मोमिन एवं मुहम्मद रफी अंसारी ने किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर के.एम.ई. सोसायटी के अध्यक्ष अलमाज फक ीह, सचिव दानियाल काजी, कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे, समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण, प्रधानाचार्य ज़िया-उर-रहमान अंसारी, वाई.सी.एम.ओ.यू. स्टडी सेंटर प्रभारी सफा आगा, समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने छात्राओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आटो रिक्शा चालक-मालिक एकता यूनियन द्वारा किया सत्यनारायण पूजा का आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। वेताल पाड़ा, भिवंडी स्थित शिवसेना प्रणित रिक्षा चालक-मालिक एकता यूनियन, यूनियन क्रमांक काचा/१४७९/२०१४, नागांव-गायत्री नगर की ओर से हर वर्ष की परंपरा के अनुसार श्रावण माह के अंतिम सोमवार को सत्यनारायण पूजा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूनियन अध्यक्ष महेंद्र रामचंद्र पाटिल के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर रिक्शा यूनियन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, मित्र मंडली तथा शिवसेना के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में यूनियन पदाधिकारी एवं शाखा प्रमुख लक्ष्मण हुंबारकर, विठ्ठल कदम, रमेश महाडीक, बालाराम केणे, उत्तम साखरे, हरिदास घुले, कालूराम पाटिल, जितेंद्र पाटिल, प्रकाश शिंदे, महेंद्र हारवाले, विकास माने, रमेश वाघमोडे, संजय तिवरेकर, संतोष घोडके, अजय गुंजते, कुमार आगलावे और फिरोज शेख सहित अनेक लोग उपस्थित थे। इसके अलावा शिवसेना सहसंपर्क प्रमुख भिवंडी मनोज गगे, पूर्व शहर प्रमुख मोहन वल्लाल, पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर, शाखा प्रमुख इस्माईल तोडगे तथा सुधीर नांदुरडीकर ने भी सत्यनारायण पूजा में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। पूजा के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

पुलिस आयुक्तालय परिमंडल-2 द्वारा गणेशोत्सव पुरस्कार में धामनकर नाका मित्र मंडल को प्रथम पुरस्कार

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव के दौरान उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने वाले गणेशोत्सव मंडलों और डीजे संचालकों के खिलाफ पुलिस प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। ध्वनि प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करने वाले मंडलों पर मामला दर्ज करने के साथ ही डीजे संचालकों का साउंड सिस्टम जब्त कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी। यह चेतावनी ठाणे के अपर पुलिस आयुक्त अशोक दुधे ने दी। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के मार्गदर्शन में पर्यावरणपूरक एवं शासन की गाइडलाइन के अनुसार गणेशोत्सव मनाने वाले सार्वजनिक गणेश मंडलों के सम्मान समारोह का आयोजन बुधवार को अंजुरफाटा स्थित ओसवाल महाविद्यालय के सभागार में किया गया। समारोह में दुधे ने गणेश मंडलों और गणेश भक्तों से उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण तरीके से गणेशोत्सव मनाने की अपील की। इस अवसर पर भिवंडी मनपा महापौर नारायण चौधरी, भिवंडी पश्चिम के विधायक महेश चौघुले, मनपा आयुक्त अनमोल सागर, सार्वजनिक गणेशोत्सव महामंडल के अध्यक्ष मदन भोई, भिवंडी पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड सहित शांति समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में गणेश भक्त उपस्थित रहे। पिछले वर्ष शहर के 43 सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इसमें धामणकर नाका मित्र मंडल ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए चलित ढाल एवं प्रथम पुरस्कार हासिल किया। मंडल के कार्याध्यक्ष एवं नगरसेवक राजेश शेट्टी तथा पदाधिकारियों ने अपर पुलिस आयुक्त अशोक दुधे के हाथों पुरस्कार स्वीकार किया। संयुक्त मित्र मंडल, गौरीपाड़ा और श्री गणेश मित्र मंडल को संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार, जबकि स्व. पंडित नाना मित्र मंडल, चंदनबाग और स्वामी समर्थ सेवा समिति गणेशोत्सव मंडल को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। खोणी के युवा मित्र मंडल को विशेष उल्लेखनीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा पुलिस थाना स्तर पर भी विभिन्न गणेशोत्सव मंडलों को उनके उत्कृष्ट आयोजन के लिए सम्मानित किया गया।

मुंबई उपनगर जिला चयन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 को मिला अभूतपूर्व प्रतिसाद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बैडमिंटन एसोसिएशन फॉर मुंबई उपनगर और गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मुंबई उपनगर जिला चयन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 का सफल आयोजन 2 से 6 सितंबर 2026 तक गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब में किया गया। इस टूर्नामेंट को अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला। मुंबई उपनगर जिले के बैडमिंटन खिलाड़ियों की ओर से 650 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। खिलाड़ियों की इस उत्साहपूर्ण भागीदारी से जिले में बैडमिंटन की बढ़ती लोकप्रियता और खेल प्रतिभाओं की प्रचुरता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ियों में से BAMU द्वारा मुंबई उपनगर जिले की टीमों का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी आगामी दो महीनों में आयोजित होने वाली महाराष्ट्र राज्य बैडमिंटन चैंपियनशिप में मुंबई उपनगर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

BAMU की स्थापना केवल तीन वर्ष पूर्व हुई थी, लेकिन इतने कम समय में संगठन ने बैडमिंटन जगत में अपनी प्रभावशाली पहचान बनाई है। इस चयन टूर्नामेंट को मिला जबरदस्त प्रतिसाद संगठन की बढ़ती विश्वसनीयता तथा उसके पदाधिकारियों और पूरी टीम के समर्पित प्रयासों का स्पष्ट प्रमाण है।

मुंबई के महालक्ष्मी रेस कोर्स से प्रारंभ होगी संत लोकेशानंद की श्री नारायण रथ यात्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। परमपूज्य संत लोकेशानंद महाराज श्री नारायण भक्ति पंथ के प्रवर्तक, दिव्य प्रेरणा-स्रोत एवं लोककल्याण के संकल्पकर्ता हैं। युवावस्था में ही उन्होंने श्री नारायण भक्ति पंथ की स्थापना कर भक्तों को भक्ति, संस्कार एवं व्यसन-मुक्ति का मार्ग दिखाया।इस पंथ में श्री नारायण भगवान की सेवा-पूजा का विशेष स्थान है। पंथ का प्रथम एवं प्रमुख तीर्थस्थल महाराष्ट्र राज्य के नंदुरबार जिले के शहादा में स्थित श्रीश्रीनारायणपुरम धाम है, जहाँ शेषशायी नारायण भगवान का दिव्य विग्रह स्थापित है।भगवान का यह दिव्य स्वरूप पंचधातु निर्मित, लगभग 11 फुट ऊँचा एवं 21 टन भार का विश्व का प्रथम ऐसा श्रीविग्रह है। इस पावन मूर्ति के दर्शन मात्र से जन-जन को असीम धन्यता एवं आध्यात्मिक शांति की प्राप्ति होती है।आगामी यात्रा एवं दर्शन

गुरुदेव की पावन यात्रा के क्रम में भक्तगण शेषशायी नारायण भगवान की दिव्य मूर्ति के दर्शन करेंगे। यह यात्रा श्री नारायण भक्ति पंथ की सेवा-पूजा परंपरा एवं जन-कल्याण के संकल्प को और सुदृढ़ करेगी।संत श्री लोकेशानंद महाराज के सान्निध्य में भक्तों को सत्संग, कथा एवं नारायण-भक्ति का अवसर प्राप्त होता है। उनका जीवन-मिशन भक्ति एवं संस्कार की दिशा देना, आध्यात्मिक जागरण फैलाना तथा व्यसनमुक्त समाज का निर्माण करना है।भारतवर्ष में ऐतिहासिक 12 वर्षीय आध्यात्मिक यात्रा श्री नारायण रथ यात्रा 21 एवं 22 जनवरी 2027 को मुंबई के महालक्ष्मी रेस कोर्स से प्रारंभ होगी।

सद्गुरु लोकेशानंद महाराज, श्री नारायण भक्ति पंथ के संस्थापक, के दिव्य मार्गदर्शन में महाविष्णु की महायात्रा (जिसे श्री नारायण रथ यात्रा भी कहा जाता है) का शुभारंभ 21 और 22 जनवरी 2027 को महालक्ष्मी रेस कोर्स, मुंबई से किया जाएगा। यह 12 वर्षीय अखिल भारतीय यात्रा भारत के कोने-कोने तक भगवान महाविष्णु की अनुपम महामूर्ति को लेजाएगी। प्रथम चरण में पवित्र रथ महालक्ष्मी, सिद्धिविनायक, माटुंगा, अंधेरी ईस्ट, मुलुंड, ठाणे, कल्याण और नवी मुंबई इससे होकर गुजरेगा। इसके पश्चात यात्रा महाराष्ट्र के सभी जिलों में जाएगी। इस चरण में अनुमानित 30 करोड़ भक्तों एवं और भी अधिक लोगों को महामूर्ति के साक्षात दर्शन का दिव्य आशीर्वाद प्राप्त होगा। दिव्य महामूर्ति के विषय में यह भगवान महाविष्णु की शेषशायी स्वरूप में विश्व की एकमात्र ठोस पंचधातु महामूर्ति है। पूर्णतः ठोस एवं शुद्ध पंचधातु से निर्मित लंबाईः 15 फीट; शेषनाग के फन की ऊँचाईः 7 फीट, अनुमानित भारः 9 टन। इसमें स्वर्ण (12 किलो), चाँदी (300 किलो), ताँबा (21 टन), जिंक (9 टन) एवं अन्य पवित्र धातुएँ सम्मिलित हैं । 30 कुशल कारीगरों द्वारा 12 महीनों में लगभग ?30 करोड़ की लागत से निर्मित है।

लोकमत सखी मंच के फूड फेस्टिवल में मेघना वैराल को किया गया सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। ठाणे स्थित कोरम मॉल में लोकमत सखी मंच की ओर से आयोजित फूड फेस्टिवल कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक एवं आकर्षक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों एवं सामाजिक योगदान के लिए समाजसेविका पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में पालघर जिले की मेघना संपत वैराल को उनके उत्कृष्ट समाजकार्य के लिए समाजसेविका पुरस्कार से

गौरवान्वित किया गया। मेघना वैराल लंबे समय से समाज के निचले तबके यानी जरूरतमंद एवं सामान्य वर्ग के लोगों तक पहुंचकर सामाजिक कार्य कर रही हैं। समाज में रहते हुए समाज के प्रति अपना दायित्व निभाने के उद्देश्य से वे विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से लोगों की सहायता एवं जनजागृति का कार्य करती हैं। पुरस्कार मिलने पर मेघना वैराल ने कहा कि समाजसेवा उनके लिए केवल सम्मान पाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का एक प्रयास है। उन्होंने भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।

भारी जमा राशि के नाम पर मकान मालिकों-किरायेदारों से 1.36 करोड़ की ठगी

◆कमरा किराए पर देने और 10 महीने का किराया खुद भरने का झांसा देकर 19 लोगों को लगाया चूना; नवघर पुलिस ने महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। भारी जमा राशि के नाम पर मकान मालिकों और किरायेदारों से करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी करने वाली महिला को नवघर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला ने मीरा-भायंदर क्षेत्र में कई लोगों का विश्वास जीतकर कमरा किराए पर देने, 10 महीने का किराया स्वयं भरने और करार समाप्त होने पर जमा राशि वापस करने का लालच दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि महिला ने 19 लोगों से कुल 1 करोड़ 36 लाख 81 हजार रुपये की धोखाधड़ी की है। 86.61 लाख रुपये की शिकायत से खुला मामला नवघर पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 486/2026 के तहत 29 अगस्त 2026 को बीएनएस की धारा 318(4) और 316(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता आनंद माता प्रसाद गुप्ता (38), स्टेशनरी व्यवसायी और रामदेव पार्क, मीरा रोड पूर्व निवासी हैं। शिकायत के अनुसार, आरोपी चांदनी अभय वर्मा ने भारी जमा राशि की योजना बताकर शिकायतकर्ता को भरोसे में लिया। उसने दावा किया कि जमा रकम को नायगांव और पालघर क्षेत्र में चल रहे

निर्माण कार्यों में लगाया जाएगा और बदले में कमरा किराए पर दिया जाएगा। साथ ही कमरे का 10 महीने का किराया वह स्वयं चुकाएगी तथा समझौता समाप्त होने के बाद जमा राशि वापस कर देगी। इस झांसे में आकर शिकायतकर्ता ने आरोपी को 3.51 लाख और 2.51 लाख रुपये, जबकि अन्य लोगों ने भी बड़ी रकम दी। पुलिस के अनुसार, इस तरह शिकायतकर्ता एवं अन्य गवाहों से कुल 86.61 लाख रुपये लेकर आरोपी ने रकम हड़प ली। कुछ महीने किराया दिया, फिर अचानक बंद कर दिया आरोपी ने विश्वास कायम करने के लिए शुरूआत में कुछ महीनों तक शिकायतकर्ता और अन्य लोगों के कमरों का किराया भी चुकाया। इससे लोगों को उस पर भरोसा हो गया। इसके बाद उसने किराया देना बंद कर दिया और कथित तौर पर जमा रकम लौटाने से भी इनकार कर दिया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। शिकायत के बाद फरार हो गई थी आरोपी पुलिस के अनुसार, शिकायतें दर्ज होने के बाद आरोपी महिला पुलिस के सामने पेश नहीं हुई और फरार होकर छिप गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर नवघर पुलिस की टीम ने उसकी तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 4 सितंबर 2026 को चांदनी अभय वर्मा को गिरफ्तार कर लिया। जांच में अब तक सामने आया है कि आरोपी महिला ने 19 लोगों को निशाना बनाकर कुल 1,36,81,000 रुपये की कथित वित्तीय धोखाधड़ी की है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि इस धोखाधड़ी में उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति या गिरोह शामिल था या नहीं। पुलिस की सतर्कता से खुला बड़ा फजीर्वाड़ा यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्त्रे, पुलिस उपायुक्त जोन-1 राहुल चव्हाण और सहायक पुलिस आयुक्त नवघर विभाग सोहेल शेख के मार्गदर्शन में की गई। नवघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मुकुंद यादव के निर्देशन में पुलिस निरीक्षक (अपराध) दत्तात्रय धुमे, सहायक पुलिस निरीक्षक नितिन बेंद्रे, अपराध प्रकटीकरण शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक विश्वासराव बाबर तथा पुलिस टीम के जवानों ने कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक नितिन बेंद्रे द्वारा की जा रही है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर धोखाधड़ी से जुड़ी रकम, अन्य पीड़ितों और संभावित सहयोगियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

श्रीगणेशा आरोग्याचा से राज्यभर भक्तों की होगी नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच

◆मुख्यमंत्री सहायता निधि से 20 हजार स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

◆20 लाख से अधिक लोगों की जांच का लक्ष्य

मुंबई(उत्तरशक्ति)। श्रीगणेशोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए मुख्यमंत्री सहायता निधि एवं धमार्दाय अस्पताल सहायता कक्ष की पहल पर इस वर्ष राज्यभर में करीब 20 हजार निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किये जायेंगे। सार्वजनिक गणेश मंडलों के पंडालों से लेकर महानगरपालिका, नगरपालिका, नगर पंचायत तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक नागरिकों को अपने ही क्षेत्र में स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना से शुरू किये गये श्रीगणेशा आरोग्याचा अभियान का यह दूसरा वर्ष है। मुख्यमंत्री सहायता निधि एवं धमार्दाय अस्पताल सहायता कक्ष के मार्गदर्शन में सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा करीब 10 हजार सार्वजनिक गणेश मंडलों, सरकारी एवं अर्धसरकारी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा दानदाताओं के सहयोग से यह अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष अभियान का विस्तार राज्य के सभी 36 जिलों तक किया गया है।अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को उनके घर और आसपास के क्षेत्र में ही स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराना तथा गंभीर बीमारियों का समय रहते पता लगाना है।

जांच के दौरान किसी नागरिक में स्वास्थ्य संबंधी समस्या पाये जाने पर उसे आवश्यकतानुसार आगे की जांच एवं उपचार के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों अथवा संबंधित अस्पतालों में भेजा जायेगा।

अभियान के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, शहरी स्वास्थ्य विभाग, स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं की स्वास्थ्य व्यवस्था तथा धमार्दाय अस्पतालों के डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की सहायता ली जायेगी।

वृद्ध महिला की सोने की चेन छीनकर फरार आरोपी गिरफ्तार

बोईसर पुलिस की कार्रवाई द्वारा चोरी की सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। बोईसर-चिल्हार फाटा रोड पर एक वयोवृद्ध महिला के गले से सोने की चेन जबरन छीनकर फरार हुए आरोपी को बोईसर पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई सोने की चेन तथा वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार मामले में 100 प्रतिशत मुद्देमाल बरामद किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 जुलाई 2026 को सुबह करीब 10:20 बजे शिकायतकर्ता रोहिणी रोहिदास ठाकूर अपनी बहन आशा पंडित पाटील के साथ बोईसर-चिल्हार फाटा रोड पर सुशीला होटल के सामने से दांडीपाड़ा की ओर जाने वाले रास्ते पर हिडन क्लब कमान के पास ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान बोईसर की ओर से लाल-काले रंग की स्कूटी पर सवार एक अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचा। आरोपी ने मौका पाकर रोहिणी ठाकूर के गले में पहनी हुई करीब 70 हजार रुपये कीमत की सोने की चेन जबरन खींच ली और स्कूटी से फरार हो गया। घटना के बाद महिला की शिकायत पर बोईसर पुलिस थाने में गुन्हा रजि. नं. 276/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 304(2) के अनुसार मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने घटना के दिन ही दोपहर 3:44 बजे मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

राजस्व वादों के निस्तारण में लापरवाही पर योगी सरकार का बड़ा एक्शन

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजस्व अदालतों में लंबित वादों के समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर योगी सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने पांच तहसीलदारों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि 13 तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कार्रवाई में जौनपुर के तहसीलदार सौरभ कुमार भी शामिल हैं। इसके अलावा अमित यादव (तहसीलदार संडीला, हरदोई), कृष्ण कुमार मिश्रा (तहसीलदार देवरिया), रंजन वर्मा (तत्कालीन नायब तहसीलदार अयोध्या, वर्तमान तहसीलदार गाजीपुर) और अलख शुक्ला (तहसीलदार प्रतापगढ़) को भी निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई प्रदेश के राजस्व न्यायालयों में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा 34 के तहत दाखिल वादों की तहसीलवार और अधिकारीवार समीक्षा के बाद की गई।

जौनपुर के तहसीलदार सौरभ कुमार समेत पांच निलंबित, 13 तहसीलदार-नायब तहसीलदारों को नोटिस

इससे पहले एक सितंबर को भी चार तहसीलदारों और एक नायब तहसीलदार को निलंबित किया गया था।

राजस्व परिषद ने स्पष्ट किया है कि लंबित राजस्व वादों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों के कामकाज और मामलों के निस्तारण की लगातार निगरानी की जाएगी। लापरवाही या अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर आगे भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, लापरवाही के मामले में 13 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इनमें चंद्रशेखर वर्मा, गोपाल जी, रविरंजन कश्यप, राकेश कुमार, कविता ठाकुर, देवानन्द तिवारी, स्नेहल वर्मा, राहुल सिंह, अनिल कुमार, यजुवेन्द्र सिंह, सुखवीर सिंह, रमाशंकर मिश्रा और शार्द सिंह शामिल हैं। राजस्व परिषद इन मामलों में नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया भी आगे बढ़ा रहा है।

काशी से 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

सीएम योगी बोले- स्वस्थ और सुपोषित बचपन ही विकसित भारत की मजबूत नींव

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सुपोषित भारत' के विजन के तहत बुधवार को सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया। 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान की थीम 'हमारी आंगनबाड़ी-हमारी जिम्मेदारी' है।

कार्यक्रम में देशभर के करीब 14 लाख आंगनबाड़ी केंद्र वर्चुअल माध्यम से जुड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा का भविष्य बचपन से तय होता है। मां स्वस्थ होगी तो बच्चा स्वस्थ होगा और स्वस्थ बच्चा ही राष्ट्र के विकास में योगदान देगा। उन्होंने बच्चों के जीवन के पहले एक हजार दिनों को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही।

सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश में 1.90 लाख आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत हैं और पिछले साढ़े नौ वर्षों में 70 हजार से अधिक केंद्रों को नया स्वरूप दिया गया है। कई केंद्रों को मॉडल आंगनबाड़ी के रूप में विकसित किया गया है, जहां बच्चों के लिए शौचालय, पेयजल और बाल वाटिका जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से करीब पांच करोड़ माताओं को 2100 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि उपलब्ध कराई गई है। पोषण माह के दौरान आहार विविधता, प्रोटीन युक्त भोजन, ताजा पका भोजन, सामुदायिक भागीदारी तथा बच्चों के प्रारंभिक विकास पर विशेष जोर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने ओडिशा और गोरखपुर की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से सीधा संवाद कर कुपोषित बच्चों के विकास और केंद्रों की गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने बटन दबाकर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि विकसित भारत की मजबूत नींव के लिए बच्चों का स्वस्थ और सुपोषित होना जरूरी है। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि मां अन्नपूर्णा की धरती काशी से पूरे देश को पोषण का संदेश मिलना गौरव की बात है। प्रदेश की मंत्री बेबी रानी मौर्य ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के पोषण की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सर्राफ से दो लाख की वसूली में फंसे चार सिपाहियों पर गिरेगी गाज

सेवा समाप्त करने की तैयारी, कॉल रिकॉर्डिंग भी बनेगी जांच का अहम साक्ष्य

शाहजहांपुर (उत्तरशक्ति)। सर्राफ को स्मैक के मामले में फंसाने की धमकी देकर दो लाख रुपये की कथित वसूली के मामले में चार सिपाहियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस ने मामले में विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चारों की सेवा समाप्ति के लिए उच्चाधिकारियों के माध्यम से शासन को रिपोर्ट भेजने की तैयारी की जा रही है। जांच में सर्राफ की अपने पिता से हुई बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग को भी महत्वपूर्ण साक्ष्य के तौर पर शामिल किया जाएगा। एसपी सौरभ दीक्षित ने कहा कि विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एसओजी के पहुंचने से पहले दिल्ली निकले दो आरोपी: मामले में नामजद मेरठ निवासी सिपाही अरुण चित्तौड़िया और तुपार गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली पहुंच गए। बताया जा रहा है कि दोनों ने परिचितों के माध्यम से अधिवक्ताओं से संपर्क कर अग्रिम जमानत लेने का प्रयास किया। लोकेशन के आधार पर एसओजी टीम दिल्ली पहुंची, लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही दोनों वहां से निकल गए। पुलिस अब संभावित ठिकानों पर दबिश देकर दोनों की तलाश में जुटी है।

सहारनपुर कचहरी मस्जिद विध्वंस को लेकर अरशद खान ने उठाए सवाल

बोले- कार्रवाई की न्यायिक जांच हो, दोषी अधिकारियों पर हो सख्त कार्रवाई

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने सहारनपुर कचहरी परिसर स्थित मस्जिद के कथित विध्वंस को लेकर प्रदेश प्रशासन और सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

09 सितंबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति में अरशद खान ने आरोप लगाया कि मस्जिद को रात के समय भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बिना पर्याप्त पूर्व सूचना और न्यायिक प्रक्रिया का पालन किए ध्वस्त किया गया। उन्होंने इसे संविधान में दिए समानता, धार्मिक स्वतंत्रता और न्यायिक प्रक्रिया के अधिकारों के विपरीत बताया।

अरशद खान ने सुप्रीम कोर्ट के 2024 के बुलडोजर कार्रवाई संबंधी दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी संपत्ति को ध्वस्त करने से पहले निर्धारित प्रक्रिया, नोटिस और प्रभावित पक्ष को सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट से मामले का स्वतः संज्ञान लेकर जांच कराने की मांग की। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने, मस्जिद के पुनर्निर्माण तथा पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग रखी। अरशद खान ने कहा कि कानून का राज और संविधान सर्वोपरि है तथा किसी भी कार्रवाई में न्यायिक प्रक्रिया का पालन अनिवार्य होना चाहिए।

केराकत में डेढ़ करोड़ की MDMA बरामद, चार गिरफ्तार

317 ग्राम तैयार और 660 ग्राम अर्धनिर्मित MDMA समेत निर्माण सामग्री जब्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत केराकत पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कथित रूप से अवैध टउ्दअ के निर्माण और तस्करी से जुड़े गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 317 ग्राम तैयार टउ्दअ और 660 ग्राम अर्धनिर्मित टउ्दअ बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक, बरामद मादक पदार्थ के अलावा टउ्दअ निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, 9,500 रुपये नकद और एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया है। बरामद टउ्दअ और निर्माण सामग्री की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई गई है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनय कुमार मौर्य, सुनील सोनकर, राहुल सोनकर और विश्वकर्मा कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने चारों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि कार्रवाई से

एक दिन पहले ग्रैंड वेलकम होटल में पुलिस ने करीब डेढ़ घंटे तक छापेमारी की थी। होटल में हुई कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था। अब टउ्दअ बरामदगी की कार्रवाई को भी पुलिस की उसी जांच से जोड़कर देखा जा रहा है।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। साथ ही पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और तैयार टउ्दअ की सप्लाई किन-किन स्थानों पर की जाती थी।

फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर पूरे ड्रग्स नेटवर्क और सप्लाई चेन की जानकारी जुटा रही है। कार्रवाई के बाद जिले में अवैध मादक पदार्थों के निर्माण और तस्करी से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

मीरपुर की जर्जर सड़क को लेकर फूटा जनता का गुस्सा, चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन

जल्द मरम्मत शुरू नहीं हुई तो नगर पंचायत मुख्यालय पर धरने की चेतावनी

अरशद अली

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत मछलीशहर के अंतर्गत मीरपुर चौराहे से मीरपुर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क की बदहाली को लेकर बुधवार को स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। आक्रोशित क्षेत्रवासियों और व्यापारियों ने सड़क पर उतरकर नगर पंचायत प्रशासन एवं संबंधित लोक निर्माण विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

नगर पंचायत मछलीशहर मीरपुर चौराहा से मीरपुर की तरफ जानें वाली सड़क पर स्थानीय लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मीरपुर जाने वाली मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिसके चलते आए दिन राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क पर आवागमन मुश्किल हो जाता है और पैदल चलने वालों को भी परेशानी उठानी पड़ती है।

स्थानीय लोगों ने कहा कि कई बार संबंधित अधिकारियों को सड़क की मरम्मत कराने की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। इससे लोगों में काफी नाराजगी है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू नहीं कराया गया तो नगर पंचायत मुख्यालय पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। लोगों ने प्रशासन से तत्काल सड़क की बदहाली दूर कराने की मांग की है।

रेणुकूट में धूमधाम से मनाया गया विहिप का 62वां स्थापना दिवस

'जय श्री राम' के जयकारों से गूंजा परिसर, बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं व गणमान्य नागरिकों ने लिया हिस्सा

सुशील कुमार तिवारी

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के 62वें स्थापना दिवस के अवसर पर राधा कृष्ण मंदिर के सत्संग हॉल में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण एवं भारत माता के चित्र के समक्ष वैदिक मंत्रोच्चार, दीप प्रज्वलन, पुष्प अर्चन और भारत माता की आरती के साथ हुआ। मुख्य अतिथि काशी प्रांत के सह

मंत्री सत्य प्रकाश सिंह ने विहिप के गौरवमयी इतिहास और हिंदू समाज में संगठन के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज सेवा, जन-जागरूकता और संगठन के विस्तार के लिए पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह ने विहिप के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि संगठन सनातन संस्कृति के मूल्यों और अस्मिता के संरक्षण के लिए कार्य कर रहा है। वहीं प्रांत सह समरसता प्रमुख राजेश सिंह ने सामाजिक समरसता और एकता को मजबूत करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम का संचालन प्रखंड मंत्री मनीष मिश्रा ने किया। इस दौरान प्रांत गो रक्षा प्रमुख सत्यप्रताप सिंह, जिला उपाध्यक्ष मनोज सिंह, दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका वैष्णवी सिंह, जिला संगठन मंत्री आनंद सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह में भाजपा, आरएसएस और बजरंग दल से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ महिला मोर्चा की पदाधिकारी तथा पत्रकार भी उपस्थित रहे। रेणुकूट, पिपरी और मुर्धवा क्षेत्र से बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। ह्यजय श्री रामह्ल के गगनभेदी जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। अंत में आयोजकों ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

रितु सेठ बनीं तीज क्वीन, एकता गुप्ता द्वितीय व प्रीति जायसवाल तृतीय

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का भव्य तीज महोत्सव संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की ओर से शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में भव्य तीज महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में राधा रानी थीम आकर्षण का केंद्र रही। क्लब की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती से हुआ। इसके बाद राधा रानी रूप-सज्जा प्रतियोगिता आयोजित की गई। निर्णायक मंडल में प्रणिता सेठ एवं स्वीटी जायसवाल ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में रितु सेठ ने प्रथम स्थान प्राप्त कर तीज क्वीन का खिताब अपने नाम किया, जबकि एकता गुप्ता द्वितीय और प्रीति जायसवाल तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

तीज महोत्सव के दौरान महिलाओं ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति

देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पारंपरिक वेशभूषा और राधा रानी की मनमोहक झांकियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक निहारिका बरनवाल एवं प्रगति कसौधन का विशेष योगदान रहा। दोनों ने अपनी कार्यकुशलता और समर्पण से कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान किया।

इस अवसर पर लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की प्रथम महिला प्रीति गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष रेनू बैंकर एवं विभा गुप्ता ने तीज पर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं।

क्लब की महिला सदस्यों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति से पूरा आयोजन यादगार बन गया। प्रेम, सौहार्द, भक्ति और उत्सव के रंगों से सजा यह तीज महोत्सव सभी के लिए आनंद एवं उल्लास से भरपूर रहा।

उत्तर प्रदेश परिवहन की बस खराब, घंटों परेशान रहे 75 यात्री

धक्का देने के बाद स्टार्ट हुई बस, यात्रियों ने ली राहत की सांस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश परिवहन की बस की बदहाल स्थिति का एक और मामला सामने आया है। सिंगरामऊ के पास परिवहन निगम की एक बस अचानक खराब हो गई, जिससे उसमें सवार करीब 75 यात्री घंटों तक परेशान रहे।

बताया जा रहा है कि बस के खराब होने के बाद यात्रियों को काफी देर तक सड़क पर ही इंतजार करना पड़ा। काफी प्रयास के बाद जब बस स्टार्ट नहीं हुई तो यात्रियों ने खुद बस को धक्का लगाया। धक्का देने पर बस दोबारा स्टार्ट हो गई, जिसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली और अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए।

यात्रियों का कहना है कि परिवहन निगम की बसों की नियमित जांच और रखरखाव नहीं होने के कारण आए दिन ऐसी समस्याएं सामने आती रहती हैं। यात्रियों ने संबंधित अधिकारियों से बसों की स्थिति सुधारने और खराब बसों को सड़क पर न भेजने की मांग की है।

सरकारी कार्यालयों में गुटखा-तंबाकू का सेवन, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के कुछ सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यालय परिसर में गुटखा, जर्दा और तंबाकू का सेवन किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि फरियाद लेकर पहुंचने वाले लोगों के सामने ही कुछ कर्मचारी खुलेआम गुटखा-तंबाकू का सेवन करते नजर आते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों को अनुशासन एवं गरिमापूर्ण व्यवहार का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। इसके बावजूद कार्यालय परिसर में तंबाकू सेवन की शिकायतें व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। प्रबुद्धजनों ने जिलाधिकारी से मामले का संज्ञान लेते हुए सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण कराने और नियमों की अनदेखी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि कार्यालयों में तंबाकू सेवन पर प्रभावी रोक लगने से स्वच्छ एवं अनुशासित वातावरण कायम हो सकेगा।

सोशल मीडिया पर गैंग कल्चर की पोस्ट करने वाले तीन युवक गिरफ्तार

8 युवकों को थाने बुलाकर दी गई सख्त हिदायत, माफीनामा भी कराया

मेहनाजपुर/आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया पर गैंग संस्कृति और भ्रामक पोस्ट के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन वज्रपात के तहत मेहनाजपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। वहीं, आठ युवकों को थाने बुलाकर समझाइश देते हुए भविष्य में ऐसी गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी गई।

सीओ लालगंज भूपेश पाण्डेय के पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार को ग्राम गोपालपुर में कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवकों की पहचान सचिन चौहान (22), अनुज चौहान (21) और आनंद चौहान (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया।

भ्रामक पोस्ट पर कराया माफीनामा: पुलिस ने ग्राम बहलोलपुर में सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की। संबंधित लोगों से माफीनामा कराते हुए भविष्य में इस तरह की पोस्ट नहीं करने की चेतावनी दी गई।

इसके अलावा झुंड बनाकर वीडियो बनाने वाले आठ युवकों को थाने बुलाकर समझाया गया। पुलिस ने उन्हें सोशल मीडिया पर गैंग संस्कृति को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों से दूर रहने और कानून का पालन करने की सख्त हिदायत दी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भ्रामक या गैंग संस्कृति को बढ़ावा देने वाली पोस्ट करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

प्राथमिक विद्यालय कर्री ने शिक्षा और नवाचार में लहराया परचम

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विकासखंड दुद्धी के प्राथमिक विद्यालय कर्री ने शिक्षा, खेलकूद और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानाध्यापक डॉ. रमेश कुमार के नेतृत्व में शैक्षिक सत्र 2025-26 में विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

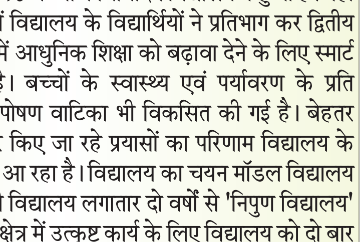

विद्यालय की एक छात्रा का चयन नवोदय विद्यालय, तीन विद्यार्थियों का अटल आवासीय विद्यालय और 10 बच्चों का सर्वोदय विद्यालय में हुआ है। वहीं जिला स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर द्वितीय स्थान हासिल किया। विद्यालय में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट क्लास की स्थापना की गई है। बच्चों के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए परिसर में पोषण वाटिका भी विकसित की गई है। बेहतर शैक्षिक वातावरण और लगातार किए जा रहे प्रयासों का परिणाम विद्यालय के बढ़ते नामांकन के रूप में सामने आ रहा है। विद्यालय का चयन मॉडल विद्यालय के रूप में किया गया है। साथ ही विद्यालय लगातार दो वर्षों से 'निपुण विद्यालय' घोषित हो चुका है। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विद्यालय को दो बार 'स्वच्छ विद्यालय' पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र भी मिल चुका है। विद्यालय की इन उपलब्धियों से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्राथमिक विद्यालय कर्री ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभर रहा है।

5 लाख के चेक पर बिजली के खंभे से उतरा युवक, घंटों चला हाईवोल्टेज ड्रामा

मछलीशहर के खजुरहट गांव में सुबह 8 बजे से पोल पर बैठा था युवक, अधिकारियों की मौजूदगी में चेक मिलने के बाद नीचे उतरा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर तहसील क्षेत्र के खजुरहट गांव में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब पैसे के लेन-देन से नाराज एक युवक बिजली के खंभे पर चढ़कर घंटों बैठा रहा। युवक को नीचे उतारने के लिए पुलिस-प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

जानकारी के अनुसार युवक सुबह करीब 8 बजे बिजली के पोल पर चढ़ गया। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस-प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और युवक को समझाकर सुरक्षित नीचे उतारने का प्रयास शुरू किया।

बताया जा रहा है कि मामला करीब 5 लाख रुपये के लेन-देन से जुड़ा था। युवक अपनी मांग को लेकर पोल से नीचे उतरने को तैयार नहीं था। काफी देर तक चले समझाने-बुझाने के बाद अधिकारियों की मौजूदगी में युवक को 5 लाख रुपये का चेक दिया गया।

चेक मिलने के बाद युवक बिजली के खंभे से सुरक्षित नीचे उतर आया। युवक के नीचे उतरते ही पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। घटना के दौरान मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

चीफ मेडिकल ऑफिसर और हेल्थ चेयरमैन पर सवालिया निशाना: मनोज पाटिल

वसई-विरार। वसई-विरार नगर निगम की हेल्थ कमिटी की 9 सितंबर को होने वाली बैठक से पहले भाजपा पार्षदों ने स्वास्थ्य विभाग के कामकाज को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। भाजपा की ओर से चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. भक्ति चौधरी और हेल्थ चेयरमैन नीलेश देशमुख की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशाना साधा गया है।

भाजपा पार्षद मनोज पाटिल का आरोप है कि हेल्थ कमिटी की बैठक के एजेंडे को तैयार और प्रकाशित करने की प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया गया। उनके अनुसार, एजेंडा नगर सचिव या संबंधित सक्षम अधिकारी की मंजूरी के बिना तैयार किया गया और उस पर मेडिकल हेल्थ ऑफिसर के हस्ताक्षर किए गए। बैठक में प्रस्तुत होने वाली कुछ रिपोर्ट और दस्तावेजों पर सक्षम अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होने का दावा भी भाजपा पार्षदों ने किया है। पाटिल ने यह भी आरोप लगाया कि पिछली बैठक के मिनट्स को कमिटी सदस्यों की मंजूरी से पहले ही अगले एजेंडे में शामिल किया जा रहा है। भाजपा पार्षदों ने इस पूरी प्रक्रिया की जांच और नियमों के अनुसार कामकाज सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके अलावा, करीब 25 लाख नागरिकों से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों को भी भाजपा पार्षदों ने बैठक में उठाने की तैयारी की है।

इनमें पेटिट हॉस्पिटल, तुलिंज हॉस्पिटल और जीवदानी देवी हॉस्पिटल में 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा, फिजियोथेरेपी एवं कीमोथेरेपी सेंटर शुरू करने तथा सफाई व्यवस्था जैसे मुद्दे शामिल हैं। भाजपा पार्षदों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। बैठक में इन मुद्दों पर प्रशासन और हेल्थ कमिटी से जवाब मांगने तथा नियमों के अनुसार कार्रवाई की मांग किए जाने की संभावना है।

इनडीड का हायरिंग कॉन्फिडेंस इंडेक्स जारी, भारत में कैंडिडेट्स ने पारदर्शी और स्पष्ट हायरिंग प्रक्रिया की मांग की

मुम्बई। भारत में हायरिंग प्रक्रिया को लेकर कैंडिडेट्स की अपेक्षाएं तेजी से बदल रही हैं। जॉब मैचिंग और हायरिंग में ग्लोबल लीडर इनडीड के पहले हायरिंग कॉन्फिडेंस इंडेक्स के अनुसार, भारत का हायरिंग कॉन्फिडेंस स्कोर 100 में 58 रहा। रिसर्च से पता चलता है कि कैंडिडेट्स हायरिंग प्रक्रिया में स्पष्टता, पारदर्शिता और समय पर संवाद को प्राथमिकता देते हैं, जबकि इन अपेक्षाओं और उन्हें मिलने वाले वास्तविक अनुभव के बीच अंतर बना हुआ है। हायरिंग प्रक्रिया में भरोसा बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में नौकरी की भूमिका को लेकर स्पष्टता (27%), पारदर्शी हायरिंग टाइमलाइन (23%) और रिक्रूटर के साथ सार्थक बातचीत (19%) शामिल हैं। वहीं, आवेदन करने के बाद कोई जवाब न मिलना 29% कैंडिडेट्स के लिए सबसे निराशाजनक अनुभव है। इसके बाद इंटरव्यू के अलग-अलग चरणों के बीच लंबा इंतजार (26%) और इंटरव्यू के बाद फीडबैक न मिलना (20%) प्रमुख निराशाजनक अनुभव हैं।

पारदर्शिता को लेकर भी कैंडिडेट्स की अपेक्षाएं स्पष्ट हैं। 37% कैंडिडेट्स वेतन को लेकर स्पष्टता, 35% हायरिंग की पारदर्शी टाइमलाइन और 28% चयन के स्पष्ट मानदंडों को भरोसा बढ़ाने वाला मानते हैं। इनडीड के टैलेंट स्ट्रेटेजी एडवाइजर रोहन सिल्वेस्टर ने कहा, कैंडिडेट्स हर आवेदन पर नौकरी मिलने की उम्मीद नहीं रखते, लेकिन वे सम्मान, स्पष्ट अपडेट और यह जानना चाहते हैं कि वे हायरिंग प्रक्रिया में किस चरण पर हैं। भरोसा कायम करने के लिए स्पष्ट संवाद और पारदर्शिता जरूरी है। हायरिंग में कैंडिडेट्स के मूल्यांकन को लेकर भी बदलाव देखने को मिल रहा है। 54% कैंडिडेट्स रेज्यूमे की बजाय स्किल के मूल्यांकन को अधिक निष्पक्ष मानते हैं, जबकि केवल 15% पारंपरिक रेज्यूमे-आधारित मूल्यांकन को प्राथमिकता देते हैं। युवा प्रोफेशनल्स में स्किल-बेस्ड हायरिंग की मांग और मजबूत है। करीब 63% जेन कैंडिडेट्स स्किल टेस्ट, वर्क सैंपल या टास्क-आधारित मूल्यांकन को प्राथमिकता देते हैं। वहीं, दो साल तक के अनुभव वाले करीब 65% प्रोफेशनल्स स्किल-बेस्ड हायरिंग पर अधिक भरोसा करते हैं, जबकि दस साल से अधिक अनुभव वाले प्रोफेशनल्स में यह आंकड़ा 35% है।

उज्जैन में 10 दिन बाद भी जेसीबी-क्रेन से नहीं हिली बजरंगबली की प्रतिमा

उज्जैन नगर निगम और प्रशासन की टीम 10 दिन प्रयास के बाद भी खड़े हनुमान की प्रतिमा शिफ्ट नहीं कर सकी।

इंदौर (उत्तरशक्ति)। उज्जैन में सड़क चौड़ी करने के लिए खड़े हनुमान मंदिर का ढांचा तोड़ दिया गया। जेसीबी और क्रेन से प्रतिमा हटाने की कोशिश हुई, लेकिन प्रतिमा अपनी जगह से हिली तक नहीं। करीब 10 दिन की कोशिश के बाद प्रशासन ने एक्सपर्ट्स की मदद लेने का फैसला किया है। सिंहस्थ के लिए सड़क चौड़ी की जानी है। कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। सड़क की चौड़ाई करीब 15 मीटर की जा रही है। इसी दायरे में खड़े हनुमान का मंदिर आ रहा था। प्रतिमा हटाने के लिए निगम की टीम कटर लेकर पहुंची थी। भक्तों ने इसका विरोध किया। उनका कहना था कि ज्यादा ताकत लगाने या कटर चलाने से प्रतिमा को नुकसान हो सकता है। दो दिन पहले मंदिर के आसपास बैरिकेडिंग की गई थी। फिलहाल प्रशासन ने हनुमानजी के उपर टेंट लगा दिया है।जिससे हनुमान जी बारिश से सुरक्षित रहे।भक्तों ने निगम कमिश्नर को ज्ञापन देकर विशेषज्ञों से जांच कराने की मांग की थी। .अब IIT इंदौर की टीम को बुलाया गया है। टीम ने स्पेशल इक्विपमेंट से प्रतिमा की गहराई और आसपास की जमीन की जांच की। पुरातत्व एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि प्रतिमा करीब 1000 साल पुरानी हो सकती है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि प्रतिमा के नीचे क्या है? प्रतिमा जमीन में कितनी गहराई तक है? इसके बाद एक्सपर्ट रिपोर्ट देंगे। फिर तय होगा कि इसे सुरक्षित तरीके से हटाया जा सकता है या नहीं।

वहीं, भक्तों के लिए यह सिर्फ प्रतिमा हटाने का मामला नहीं है। खड़े हनुमान को लोग 'डॉक्टर हनुमान' और मंदिर को 'उज्जैन का एम्स' कहते हैं। मान्यता है कि यहां बच्चों और बीमार लोगों की मन्नतें पूरी होती हैं, इसलिए प्रतिमा के नहीं हिलने को भक्त भगवान का संकेत और चमत्कार मान रहे हैं।मंदिर के पुजारी का कहना है कि उनका प्रशासन से कोई विरोध नहीं है। वे चाहते हैं कि प्रतिमा की आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञों की मदद से जांच कराई जाए। उनका कहना है कि विशेषज्ञ जिस तरीके को सुरक्षित बताएं, उसी के अनुसार प्रतिमा को नई जगह ले जाया जाए। उनके मुताबिक प्रतिमा को सुरक्षित तरीके से विस्थापित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उनका विरोध प्रतिमा हटाने से ज्यादा उसके नुकसान की आशंका को लेकर है।

कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ राज्य सरकार सख्त, स्नेहा दुबे पंडित एक्शन टीम में

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कन्या भ्रूण हत्या, गैरकानूनी गर्भपात और PCP-NDT कानून के उल्लंघन पर रोक लगाने के लिए राज्य स्तरीय विशेष एक्शन टीम गठित की है। डॉ. नीलम गोरहे को टीम का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित समेत अन्य महिला जनप्रतिनिधियों को सदस्य नियुक्त किया गया है। टीम द्वारा राज्य के सोनोग्राफी और मेडिकल अबॉर्शन सेंटरों का औचक निरीक्षण कर कानून के उल्लंघन पर कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही जिलों में कानून के अमल की समीक्षा और जनजागरूकता बढ़ाने के उपाय भी किए जाएंगे। टीम हर तीन महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

खेत-पनांद सड़कों और घरों के कब्जों पर समीक्षा बैठक

वसई। वसई विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में किसानों और आम नागरिकों की बुनियादी समस्याओं को लेकर वसई के सब-डिविजनल ऑफिसर कार्यालय में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति में मुख्यमंत्री बलिराजा खेत-पनांद सड़क योजना तथा 1 जनवरी 2011 तक सरकारी जमीन पर स्थित पात्र घरों के कब्जों को नियमित करने की सरकारी नीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में खेतों तक पहुंचने वाली सड़कों की स्थिति और योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई। विधायक ने कहा कि किसानों को खेतों तक पहुंचने के लिए बेहतर सड़क सुविधा मिलना जरूरी है, ताकि खेती के कार्य, कृषि उपज के परिवहन और रोजमर्रा के कामों में होने वाली परेशानियां कम हो सकें।

इसके अलावा पात्र नागरिकों के घरों के कब्जों को सरकारी नीति के अनुसार नियमित करने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। बैठक में प्रशासन से अपील की गई कि केवल नागरिकों के आवेदन का इंतजार करने के बजाय जागरूकता अभियान चलाए जाएं तथा जरूरत वाले क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाकर लोगों को आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी जाए।

स्नेहा दुबे पंडित ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ दोनों विषयों पर चल रही कार्रवाई का जायजा लिया और आगे की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के लिए प्रशासन के साथ समन्वय किया। उन्होंने कहा कि किसानों और आम नागरिकों की समस्याओं को उठाने के साथ-साथ उनके समाधान तक लगातार फॉलो-अप करना भी जरूरी है।

बैठक में सब-डिविजनल ऑफिसर शेखर घाडगे, ग्रुप डेवलपमेंट ऑफिसर प्रदीप डोलारे, डिप्टी तहसीलदार राजाराम देवकाटे, पीडब्ल्यूडी के सब-डिविजनल इंजीनियर संजय यादव, जिला परिषद पालघर के इंचार्ज डिप्टी इंजीनियर एकनाथ ठाकरे सहित संबंधित अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डालमिया कालेज में मनाया गया हिंदी उत्सव और शिक्षक सम्मान समारोह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मालाड मुंबई स्थित प्रह्लादराय डालमिया लायंस कॉलेज के सभागृह में ह्यशिक्षक सम्मान कार्यक्रमह्व एवम् ह्यहिन्दी दिवस उत्सवह्व सामूहिक रूप से अनूठे अंदाज में मनाया गया। १२० पूर्णकालिक व अंशकालिक शिक्षकों का सम्मान उन्हें उपहार और पुष्प गुच्छ देकर किया गया ।कॉलेज के कर्णधार परिषद के महामंत्री लायन कन्हैयालाल घ.सराफ ने बड़े ही रोचक ढंग से अपना एक व्यंग लेख ह्यकान-पुराणह्व अपने चिरपरिचित चुटीले अंदाज में श्रोताओं की तालियों व हँसी के फव्वारों के बीच पढ़ा। दीप प्रज्वलन,सरस्वती वंदना के साथ प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में हिन्दी के समर्थन मे १४ फलकों पर अंकित सूक्ति वाक्यों को छात्रों ने प्रदर्शित किया। हास्यह्नव्यंग्य के सशक्त हस्ताक्षर एवं कुशल मंच संचालक सुरेश मिश्र के एकल काव्य पाठ ने श्रोताओं को खूब गुदगुदाया और मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी कविता ' बेटी के नाम खत' ने अधिकांश श्रोताओं की आंखों को नम कर दिया। कॉलेज कर्णधार परिषद के महामंत्री लायन कन्हैयालाल घ. सराफ, लायन अशोक बैरागरा व लायन विकास क. सराफ ने हास्य सम्राट सुरेश मिश्र का सारस्वत सम्मान शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, समृद्धि पौधा व मानधन प्रदान कर किया। स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता में कु. शिवांगी मिश्रा, कु. निधिता यादव, कु. हर्षा माली छात्रों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार एवं कु. सुमन पाल को प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुआ।प्रा.डॉ. सुनिता पाल व छात्रा प्रकृति प्रकाश ने कार्यक्रम का संचालन व उपप्राचार्या प्रा. किरण मिश्रा ने अपने मनोगत व आभार प्रदर्शन में कॉलेज प्रबंधन की प्रशंसा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रा.संदीप गुप्ता, राजेश दुबे, श्रीमती पुनम पटवर्धन, सुशील यादव व छात्र प्रतिनिधि लियो हर्षित मिश्रा की अहम भूमिका रही ।

प्रजापति समाज विकास मंडल का 22वां वार्षिक सम्मेलन 10 जनवरी को नवीन पनवेल में

शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, राजनीतिक भागीदारी एवं समाज की एकजुटता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर होगा मंथन

नवीन पनवेल, नवी मुंबई, महाराष्ट्र। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था एनजीओ का 22वां वार्षिक सम्मेलन आगामी रविवार, 10 जनवरी 2027 को नवीन पनवेल, नवी मुंबई में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की तिथि संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कोर कमेटी के सदस्यों के साथ विचार-विमर्श के उपरांत निर्धारित की गई है। संस्था की परंपरा के अनुसार प्रत्येक वर्ष जनवरी माह के दूसरे रविवार को वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। इसी परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी 10 जनवरी 2027 को सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजसेवी डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति (सी.पी.) एवं राष्ट्रीय मुख्य महासचिव गजेंद्र शिवशरन प्रजापति ने बताया कि वार्षिक सम्मेलन का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रतिभाओं, सामाजिक कार्यकताओं, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं एवं समाजबंधुओं को एक मंच पर लाकर समाज की एकजुटता, प्रगति और सर्वांगीण विकास की दिशा में सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना है।

सम्मेलन में समाज की प्रतिभाओं, विशिष्ट जनों एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही वर-वधु परिचय, शिक्षा एवं रोजगार, व्यवसाय एवं उद्यमिता, राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी, मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन, जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहयोग, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा संस्था के विस्तार एवं समाज की एकजुटता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। संस्था की ओर से सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, कार्यकताओं, समाजबंधुओं एवं समर्थकों से आह्वान किया गया है कि वे सम्मेलन को ऐतिहासिक, भव्य एवं सफल बनाने के लिए अभी से अपने-अपने क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार एवं जनसंपर्क अभियान शुरू करें तथा अधिक से अधिक समाजबंधुओं की सहभागिता सुनिश्चित करें। संस्था पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि समाज के सभी वर्गों के सामूहिक सहयोग एवं सहभागिता से 22वां वार्षिक सम्मेलन समाज की एकजुटता और प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

एसबीआईएफएमएल ने फतुहा के विस्टेक्स अस्पताल में आपात, ट्रॉमा और सर्जरी की सेवाएं शुरू की

फतुहा (उत्तरशक्ति)। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएफएमएल) ने डॉक्टर्स फॉर यू (डीएफवाई) के साथ साझेदारी में फतुहा के मसढ़ी स्थित विस्टेक्स अस्पताल की अहम स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद की है। इसके तहत तीन प्रमुख इकाइयों के लिए जरूरी चिकित्सा उपकरण दिए गए हैं, आपात एवं ट्रॉमा केंद्र, केंद्रीय स्टरलाइजेशन सेवा विभाग (सीएसएसडी) और ऑपरेशन थिएटर (ओटी)। इससे अस्पताल समय पर आपात, ट्रॉमा, जांच और सर्जरी की सेवाएं दे पा रहा है।

गणेश मंडलों को सुविधाएं दिलाने डॉ. हेमंत सावरा का फॉलो-अप सफल

वसई-विरार। आगामी गणेशोत्सव को देखते हुए पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा द्वारा गणेश मंडलों की सुविधा के लिए किए गए फॉलो-अप को सफलता मिली है। 5 सितंबर 2026 को उन्होंने वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन आयुक्त को पत्र देकर गणेश मंडलों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की थी।

सांसद की मांग पर नगर निगम ने गणेशोत्सव के दौरान डिजास्टर मैनेजमेंट कार्यालय और टोल-फ्री नंबर 18002673898 एवं 18002334353 उपलब्ध कराने की जानकारी दी है। इसके अलावा शिकायतों और सुझावों के त्वरित निवारण के लिए विभिन्न स्थानों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। बड़ी गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन में होने वाली परेशानी को देखते हुए रो-रो जेट्टी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके लिए नगर निगम द्वारा मैरीटाइम बोर्ड और पुलिस प्रशासन के समन्वय से सुरक्षित विसर्जन व्यवस्था की गई है। डॉ. सावरा के इस फॉलो-अप से वसई-विरार के गणेश मंडलों को विसर्जन के दौरान भीड़, यातायात जाम और अन्य संभावित परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है।

इंदौर में धारदार हथियार से महिला पर हमला, पुलिसकर्मियों ने पहुंचाया अस्पताल

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर में बुधवार सुबह पलासिया के पास गीताभवन क्षेत्र में युवक ने महिला के गले पर धारदार हथियार से वार कर दिया। खून से लथपथ महिला को ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने देखा और तत्काल ऑटो रुकवाकर खुद अस्पताल लेकर गए। महिला ने रास्ते में पुलिसकर्मियों से कहा, मुझे बचा लो, मेरी बेटी स्कूल में है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पलासिया टीआई सुरेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि गायत्री कनाड़िया चेतन नगर में रहती है। वह और नीरज तोमर एक-दूसरे को करीब एक साल से जानते हैं। एक दिन पहले दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। इसी विवाद को लेकर गायत्री नीरज की शिकायत करने महिला थाने जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, महिला के थाने पहुंचने से पहले पलासिया चौराहे के पास नीरज ने चाकूनुमा वस्तु निकालकर गायत्री के गले पर वार कर दिया। ट्रैफिक पुलिस ने महिला की मां से संपर्क किया तो पता चला कि वह छत्तीसगढ़ में हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद वह इंदौर के लिए निकल चुकी हैं। महिला की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पलासिया और संयोगितागंज पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है। इसके बाद नीरज ने खुद को भी घायल कर लिया। दोनों को मयंक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गायत्री का अपने पति से तलाक हो चुका है।

प्रजापति समाज की होनहार बेटी मीनाक्षी को सम्मान एवं आर्थिक सहयोग

मुंबई। शिक्षा के प्रति लगन और मेहनत के दम पर प्रजापति समाज की होनहार छात्रा मीनाक्षी संतोष कुमार प्रजापति ने बीएमसी स्कूल गोरेगांव से हाई स्कूल (एस एस सी)की परीक्षा में 92.60 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने परिवार और समाज का नाम रोशन किया है। मीनाक्षी की इस शानदार सफलता पर नवभारत टाइम्स द्वारा उसे सम्मानित कर स्कॉलरशिप प्रदान की गई, जिससे उसके शैक्षणिक प्रयासों को प्रोत्साहन मिला।

इसी क्रम में प्रजापति समाज मुंबई की ओर से रविवार को मीनाक्षी और उसके पिता संतोष कुमार प्रजापति का कार्यालय में सम्मान किया गया। इस अवसर पर मीनाक्षी को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया तथा आर्थिक सहयोग प्रदान करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि आर्थिक परिस्थितियां किसी भी प्रतिभाशाली बच्चे की शिक्षा के रास्ते में बाधा नहीं बननी चाहिए। मीनाक्षी की सफलता इस बात का उदाहरण है कि मेहनत, लगन और परिवार के प्रोत्साहन से विपरीत परिस्थितियों में भी सफलता हासिल की जा सकती है।

बताया गया कि मीनाक्षी के पिता संतोष कुमार प्रजापति मुंबई के गोरेगांव पूर्व स्थित गणेश नगर नंबर-1, कामा स्टेट, बाल भट्ट रोड, हनुमान मंदिर के समीप रहकर मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं होने के बावजूद वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उनके इस संघर्ष और हौसले को उनके बच्चे भी अपनी मेहनत एवं उपलब्धियों के माध्यम से सार्थक कर रहे हैं।

संतोष कुमार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मछलीशहर तहसील अंतर्गत मुंगरा बादशाहपुर क्षेत्र के ग्राम निभापुर के निवासी हैं। मीनाक्षी की उपलब्धि ने न केवल परिवार बल्कि पूरे प्रजापति समाज के लिए गर्व का अवसर पैदा किया है।

समाज के लोगों ने मीनाक्षी को आगे भी पूरी मेहनत के साथ शिक्षा जारी रखने तथा भविष्य में समाज और देश का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

डीएफएस सचिव ने जीएफएफ 2026 में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए नई पहल शुरू की

डीएफएस सचिव ने जीएफएफ 2026 में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए नई पहल शुरू की

पटना। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में देश में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए कई पहल शुरू कीं। इनमें तत्काल रुपे कार्ड और व्यापारी यूपीआई क्यूआर जारी करने वाले ओपन-सोर्स (एंड्रॉयड) एटीएम, किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम मुद्रा योजना के लिए यूपीआई पर क्रेडिट लाइन तथा आधार सक्षम भुगतान प्रणाली के तहत थ्री-पार्टी कैश डिपॉजिट शामिल हैं। यह घोषणा यूआईडीएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ विजय की उपस्थिति में की गई। इनके माध्यम से ग्राहक एटीएम से तत्काल व्यक्तिगत रुपे डेबिट, क्रेडिट और एनसीएमसी कार्ड प्राप्त कर सकेंगे। व्यापारी यूपीआई आधारित भुगतान स्वीकार करने के लिए मर्चेंट क्यूआर कोड भी प्राप्त कर सकेंगे। एटीएम से चेक जमा करने, खाता खोलने और ऋण के लिए आवेदन जैसी बैंकिंग सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। वर्तमान में नौ बैंक एनपीसीआई और एटीएम निमार्ताओं के साथ मिलकर इस समाधान का आकलन कर रहे हैं। किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम मुद्रा योजना के पात्र लाभार्थी अपनी स्वीकृत ऋण सीमा का उपयोग यूपीआई के माध्यम से व्यापारियों को भुगतान करने के लिए कर सकेंगे। 7.7 करोड़ से अधिक सक्रिय किसान क्रेडिट कार्ड खातों में रुपए 10 लाख करोड़ से अधिक की स्वीकृत ऋण सीमाएं हैं, जबकि पीएम मुद्रा योजना के 57 करोड़ से अधिक ऋणों की कुल राशि रुपए 40 लाख करोड़ से अधिक है। ई-केवाईसी के माध्यम से पंजीकृत जमाकर्ता सहभागी आधार सक्षम भुगतान प्रणाली टचपॉइंट ऑपरेटरों के जरिए अपने परिवार के सदस्यों या प्रियजनों के बैंक खातों में सीधे नकद जमा कर सकेंगे। आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और लाभार्थी के नाम की एसएमएस के माध्यम से पुष्टि से लेनदेन की सुरक्षा और भरोसा बढ़ेगा। वर्तमान में 14 बैंक इस सेवा के लिए सक्षम हैं। इन पहलों का उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाना, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए डिजिटल ऋण की सुविधा को आसान बनाना तथा ग्रामीण, अर्ध-शहरी और बैंकिंग सेवाओं से वंचित ग्राहकों के लिए सुविधाजनक नकद जमा की सुविधा उपलब्ध कराना है।

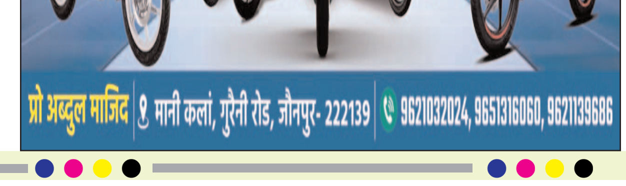

मंच पर भाषण, हाथ में टैबलेट वक्ताओं को सुनते हुए योजना की स्क्रीन पर भी नजर

काशी में दिखा योगी का डिजिटल अवतार

-सुरेश गांधी

वाराणसी। मंच पर राष्ट्रीय पोषण माह का शंखनाद हो रहा था। एक के बाद एक वक्ता पोषण, आंगनबाड़ी और बच्चों के भविष्य की बात कर रहे थे। सामने बैठे हजारों लोगों की निगाहें मंच की ओर थीं। लेकिन इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निगाहें एक और मंच पर टिकी थीं—उनके हाथ में मौजूद टैबलेट की स्क्रीन पर। बुधवार को सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में नौवें राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ समारोह की यह तस्वीर भाषणों और घोषणाओं से अलग एक ऐसी कहानी कहती दिखी, जो शायद पूरे कार्यक्रम की सबसे दिलचस्प तस्वीर बन गई।

मुख्यमंत्री कभी स्क्रीन पर जानकारी देखते, कभी उसे पढ़ते और जरूरत के मुताबिक अपने सहयोगियों को निर्देश देते नजर आए। यानी मंच पर केवल भाषण सुनना नहीं, योजना को समझना, उससे खुद को अपडेट रखना और उसी क्षण प्रशासनिक दृष्टि से जरूरी बातों पर नजर रखना भी जारी था। यह दृश्य इसलिए भी खास हो गया क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तकनीकी दक्षता को लेकर अतीत में राजनीतिक तंज कसे जाते रहे हैं। 2019 में अखिलेश यादव की ओर से उन्हें लैपटॉप नहीं जानने वाला कहे जाने की रिपोर्टें सामने आई थीं। 2022 में भी इसी तरह के आरोपों के जवाब में योगी ने कहा था कि वे सरकारी योजनाओं की निगरानी ई-डैशबोर्ड के माध्यम से करते हैं। काशी का यह दृश्य उसी पुराने राजनीतिक नैरेटिव के बरक्स अपने आप में एक मौन जवाब जैसा नजर आया।

तब कहा गया था—लैपटॉप क्या जानें

2019 में योगी को लेकर ऐसा राजनीतिक तंज सामने आया था। 2022 में भी लैपटॉप-टैबलेट को लेकर सवाल उठे। उसी दौर में योगी ने सरकारी योजनाओं की समीक्षा ई-डैशबोर्ड से करने की बात कही थी। बुधवार को काशी की तस्वीर में हाथ में टैबलेट था और नजर स्क्रीन पर.

भाषण सुनते हुए अपडेट भी होते रहे

राष्ट्रीय पोषण माह का कार्यक्रम कोई सामान्य सरकारी समारोह नहीं था। काशी से शुरू हुआ यह अभियान देश के करीब 14 लाख आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़ा है। ऐसे में मुख्यमंत्री का वक्ताओं को सुनते हुए टैबलेट पर लगातार नजर रखना महज तकनीक का इस्तेमाल नहीं, बल्कि कार्यक्रम की विषयवस्तु से उनकी सक्रिय भागीदारी का संकेत भी माना जा सकता है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी पोषण की गुणवत्ता और आंगनबाड़ी की भूमिका पर बोल रही थीं। केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर देशभर में अभियान के विस्तार की बात कर रही थीं। प्रदेश की मंत्री बेबी रानी मौर्य जनभागीदारी और बच्चों के समग्र विकास पर जोर दे रही थीं। इसी दौरान मुख्यमंत्री की नजरें टैबलेट पर बनी रहीं। ऐसा लगा मानो मंच पर चल रहे भाषण और स्क्रीन पर मौजूद सूचनाएं एक साथ उनके सामने दो समानांतर पाठ खोल रही हों—एक सार्वजनिक, दूसरा प्रशासनिक।

सिर्फ स्क्रीन नहीं, निर्णय की मेज भी साथ

मुख्यमंत्री का यह अंदाज इसलिए और महत्वपूर्ण है कि राष्ट्रीय पोषण माह का अभियान केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। इसमें आहार विविधता, पर्याप्त प्रोटीन, ताजा पका भोजन, सामुदायिक जवाबदेही, प्रारंभिक बाल विकास, माताओं की देखभाल और डिजिटल निगरानी जैसे कई स्तर जुड़े हैं। योगी ने अपने संबोधन में खुद इन विषयों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में पिछले साढ़े नौ वर्षों में 70 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प किया गया है। मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों, ताजा भोजन, टीएचआर प्लांट, क्यूआर कोड और रियल टाइम निगरानी जैसी व्यवस्थाओं पर भी उन्होंने विस्तार से बात की। ऐसे में उनके हाथ में टैबलेट की मौजूदगी महज गैजेट की तस्वीर नहीं रह जाती। यह उस बदलती शासन शैली की तस्वीर बन जाती है जिसमें फाइलों के साथ स्क्रीन और आंकड़ों के साथ रियल टाइम जानकारी भी निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बन रही है।

लैपटॉप नहीं चलाना जानते वाले तंज का उलटा फ्रेम

राजनीतिक गलियारों में योगी को लेकर यह तंज नया नहीं है। 2019 में अखिलेश यादव के बयान को मीडिया ने इसी शीर्षक के साथ रिपोर्ट किया था कि बाबा लैपटॉप क्या जानें। 2022 में भी अखिलेश की ओर से लैपटॉप और टैबलेट इस्तेमाल करने की क्षमता पर सवाल उठाए गए थे। जवाब में योगी ने कहा था कि वे ई-डैशबोर्ड के जरिए सरकारी योजनाओं की समीक्षा करते हैं। लेकिन काशी में बुधवार की तस्वीर में किसी जवाब की जरूरत नहीं थी। स्क्रीन पर चलती उंगलियां और लगातार बदलती निगाहें ही अपना जवाब देती दिखीं। यह किसी राजनीतिक आरोप का प्रतिवाद करने के लिए मंच से दिया गया बयान नहीं था। न कोई कटाक्ष, न कोई पलटवार। बस काम के बीच तकनीक का सहज इस्तेमाल। और शायद इसी वजह से तस्वीर अधिक प्रभावी है।

बाबा की छवि के साथ डिजिटल प्रशासक का फ्रेम

योगी की सार्वजनिक छवि लंबे समय से धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान और कठोर प्रशासनिक शैली के इर्द-गिर्द रही है। भगवा वस्त्र, मंच से तीखे प्रशासनिक निर्देश और कानून-व्यवस्था पर स्पष्ट रुख उनकी पहचान का हिस्सा हैं। लेकिन रुद्राक्ष में दिखाई दी यह तस्वीर उसी छवि में एक नया फ्रेम जोड़ती है—तकनीक के जरिए जानकारी लेने वाला प्रशासक। मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुपोषित भारत के विजन की चर्चा हो रही थी और सामने मुख्यमंत्री डिजिटल स्क्रीन पर उसी अभियान से जुड़े विषयों पर नजर रखे थे। कागज के भाषण से आगे बढ़कर स्क्रीन पर सूचनाओं को पढ़ना आज के शासन तंत्र का हिस्सा है।

आंकड़े नहीं, गुणवत्ता मायने रखती है

दिलचस्प यह भी रहा कि केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने संबोधन में पोषण अभियान की सफलता को केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि गुणवत्ता से जोड़ने की बात कही। उन्होंने प्रोटीन के साथ स्वस्थ वसा, विटामिन और विविध पोषक तत्वों पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने भी पोषण को बच्चे के शरीर और मस्तिष्क के विकास से जोड़ा। यानी कार्यक्रम का पूरा विमर्श ही डेटा, गुणवत्ता, निगरानी और परिणाम के आसपास घूम रहा था। ऐसे में मुख्यमंत्री का टैबलेट पर नजर रखना कार्यक्रम के विषय से बिल्कुल अलग दृश्य नहीं, बल्कि उसी बदलती कार्यशैली का दृश्यात्मक विस्तार लगता है।

काशी ने देखी दो तस्वीरें

बुधवार को काशी ने एक ही मंच पर दो तस्वीरें देखीं। एक ओर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थीं, जो घर-घर जाकर गर्भवती माताओं और बच्चों के पोषण की जानकारी पहुंचाने की कहानी सुना रही थीं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री थे, जो मंच पर भाषण सुनते हुए डिजिटल स्क्रीन पर उसी व्यवस्था की जानकारी से खुद को जोड़े हुए दिखाई दिए। एक जमीन पर काम कर रहा था, दूसरा स्क्रीन पर उस काम की दिशा देख रहा था। शायद यही इस तस्वीर का सबसे बड़ा अर्थ है।

खबर सिर्फ योगी ने टैबलेट चलाया नहीं

इस दृश्य को केवल मुख्यमंत्री ने टैबलेट चलाया लिख देना इस तस्वीर के साथ न्याय नहीं होगा। असली खबर यह है कि एक बड़े राष्ट्रीय अभियान के शुभारंभ के दौरान मुख्यमंत्री भाषणों के बीच भी योजना की जानकारी से खुद को अपडेट रखने और प्रशासनिक फोकस बनाए रखने की कोशिश करते दिखे। राजनीतिक आरोपों में चाहे जितने शब्द हों, तस्वीर अक्सर उनसे अधिक बोलती है। काशी में बुधवार की तस्वीर ने भी यही किया—मंच पर मुख्यमंत्री का भाषण चल रहा था, लेकिन उनकी उंगलियां स्क्रीन पर थीं। और स्क्रीन शायद यही कह रही थी—ह्यशासन अब सिर्फ मंच से नहीं, स्क्रीन से भी देखा जा रहा है।

महाराष्ट्र में अक्टूबर अंत तक लागू होगी समर्पित रसायन नीति

मुंबई। मुंबई में महाकेम 2026 के दौरान राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि महाराष्ट्र अक्टूबर के अंत तक एक समर्पित रासायनिक क्षेत्र नीति शुरू करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही पालघर, रायगढ़ और रत्नागिरी में 2,500 से 5,000 एकड़ के केमिकल पार्कों के विकास की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। रिसर्च एंड डेवलपमेंट, तकनीकी तत्परता और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का 'महाराष्ट्र उद्योग एवं निवेश फंड' शुरू करने की योजना भी बनाई गई है।

यह आगामी नीति महाराष्ट्र के मजबूत रासायनिक निर्माण आधार को और मजबूत करेगी तथा वैश्विक केंद्र के रूप में इसकी स्थिति को सुदृढ़ करेगी। यह स्पेशल्टी केमिकल्स, उन्नत सामग्री, बैटरी सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक रसायन, उन्नत पॉलिमर, बायोप्लास्टिक्स और अन्य उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों में निवेश के नए अवसर खोलेगी।

महाराष्ट्र सरकार के उद्योग, निवेश और सेवा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. पी. अनबलगन ने एसोचैम महाकेम 2026 में कहा कि राज्य समर्पित नीति, नए केमिकल पार्क और नवाचार व प्रौद्योगिकी-संचालित विकास का समर्थन करने वाले उपायों के साथ रासायनिक क्षेत्र के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के कदम उठा रहा है।

महाराष्ट्र एक समर्पित रासायनिक क्षेत्र नीति पर काम कर रहा है और हमें अक्टूबर के अंत तक इसके लागू होने की उम्मीद है। यह नीति इस क्षेत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करेगी और बायोप्लास्टिक्स, बायोटेक्नोलॉजी, बायोमैन्युफैक्चरिंग और अन्य उभरते क्षेत्रों में पहले से विकसित की जा रही पहलों को पूरक बनाएगी, डॉ. अनबलगन ने कहा। उन्होंने कहा कि राज्य 2,500 से 5,000 एकड़ तक के केमिकल पार्क के लिए पालघर, रायगढ़ और रत्नागिरी सहित स्थानों की जांच कर रहा है। इसके साथ ही, तेज मंजूरी और व्यापार करने में आसानी मुख्य प्राथमिकताएं रहेंगी। प्रस्तावित 1,000 करोड़ का महाराष्ट्र उद्योग और निवेश कोष अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी तत्परता और नवाचार का समर्थन करेगा, जबकि नई तकनीकों और व्यवसायों के लिए वित्तपोषण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार और महाराष्ट्र ट्रांसफॉर्मेशन इंस्टीट्यूशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रवीण परदेशी ने कहा कि महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की महत्वाकांक्षा के लिए रसायन और फार्मास्युटिकल क्षेत्र महत्वपूर्ण होंगे। इसमें प्रतिस्पर्धात्मकता तेजी से उपयोगिताओं, ऊर्जा और पानी की पहुंच के साथ-साथ सहायक नीतिगत सुधारों पर निर्भर करेगी।

नागेंद्र पाण्डेय को मिला विश्व हिंदू परिषद में जिला धर्म प्रसार प्रमुख का दायित्व

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश : जौनपुर जिला के मीरगंज अंतर्गत ग्राम उमरी निवासी नागेंद्र पाण्डेय को विश्व हिंदू परिषद में जिला धर्म प्रसार प्रमुख का दायित्व दिया गया है। नागेंद्र पाण्डेय विगत कई वर्षों से विश्व हिंदू परिषद में अपना दायित्व का बखूबी निर्वहन कर रहे है । इसके पहले नागेंद्र पाण्डेय विश्व हिंदू परिषद में प्रखंड जिलाध्यक्ष के पद पर थे। उपरोक्त दायित्व मिलने पर नागेंद्र पाण्डेय ने सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद व्यक्त किया। विश्व हिंदू परिषद जिलाध्यक्ष मछली शहर दिनेश मिश्रा,जिला कोषाध्यक्ष अमित सिंह, सहसंयोजक अनिल कौशल, फागुलाल पाण्डेय, संतोष शुक्ला, अखिलेश शुक्ल, राजकुमार शुक्ल, बालेश्वर तिवारी, राजेश सिंह, कृष्ण कुमार दुबे, आशीष पाण्डेय के साथ साथ क्षेत्र के लोगो ने बधाई एव शुभकामनाएं दी।

जूनो जनरल इंश्योरेंस ने लॉन्च किया 'फ्यूल गार्ड', इंडस्ट्री का पहला ऐसा ऐड-ऑन जो ब्लेंडेड फ्यूल से इंजन को होने वाले नुकसान पर देगा सुरक्षा

मुंबई। बीमा को आसान, दोस्ताना और पारदर्शी बनाने के लिए काम कर रही नए जमाने की डिजिटल बीमा कंपनी जूनो जनरल इंश्योरेंस ने कार मालिकों के लिए 'फ्यूल गार्ड' नाम से नया कार इंश्योरेंस ऐड-ऑन लॉन्च किया है। यह इंडस्ट्री में अपनी तरह का पहला ऐड-ऑन है, जिसे भारत में मंजूरी वाले ब्लेंडेड फ्यूल के बढ़ते इस्तेमाल और बदलती व्हीकल टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। ब्लेंडेड फ्यूल का इस्तेमाल बढ़ने के साथ कारों की फ्यूल और इंजन टेक्नोलॉजी में भी बदलाव हो रहा है। फ्यूल गार्ड का उद्देश्य यह है कि कार बनाने वाली कंपनी की मंजूरी वाले ब्लेंडेड फ्यूल से सीधे तौर पर होने वाले दुर्घटनावश और अचानक नुकसान की स्थिति में इंजन तथा फ्यूल सिस्टम के कुछ तय कंपोनेंट्स को अतिरिक्त सुरक्षा मिले। इससे कार मालिकों को अपने वाहन को लेकर ज्यादा भरोसा और निश्चिंतता मिलेगी। यह कवर 1 अप्रैल 2023 या उसके बाद रजिस्टर्ड प्राइवेट कारों के लिए उपलब्ध होगा। इसके लिए जरूरी है कि कार बनाने वाली कंपनी ने इस्तेमाल किए जा रहे संबंधित ब्लेंडेड फ्यूल को मंजूरी दी हो। साथ ही, वाहन की मेंटेनेंस कंपनी के तय शेड्यूल के अनुसार होनी चाहिए और इंजन या फ्यूल सिस्टम में बिना इजाजत का कोई बदलाव नहीं किया गया होना चाहिए। फ्यूल गार्ड को उन प्राइवेट कार पैकेज, स्टैंडअलोन ओन-डैमेज और बंडल्ड पॉलिसी के साथ लिया जा सकता है, जिन पर यह लागू होता है। यह 3 साल की लॉन्ग-टर्म पॉलिसी में भी उपलब्ध होगा। जूनो जनरल इंश्योरेंस की एमडी और सीईओ शनाई घोष ने कहा, ऱ्फ्यूल गार्ड के पीछे एक सरल विचार हैः जैसे-जैसे मोबिलिटी का सिस्टम बदल रहा है, वैसे-वैसे इंश्योरेंस कवर को भी बदलना चाहिए। जूनो में हम लगातार यह देखते रहते हैं कि मोबिलिटी में हो रहे बदलाव ग्राहकों की उम्मीदों और कार ओनरशिप के अनुभव को कैसे बदल रहे हैं। फ्यूल गार्ड इसी समझ को आसान और व्यावहारिक समाधान में बदलने की हमारी कोशिश है, ताकि इंश्योरेंस प्रोटेक्शन रोजमर्रा की जिंदगी में ज्यादा काम का बने।

अजयस कैफे का मुंबई में शानदार लॉन्च

मुंबई। गुजरात के अग्रणी होमग्रोन कैफे और क्विक सर्विस रेस्टोरेंट (दरफ) ब्रांड्स में शामिल अजयस कैफे ने महाराष्ट्र के मुंबई स्थित नालासोपारा में अपना पहला आउटलेट शुरू करते हुए मुंबई बाजार में प्रवेश किया है। जहा ब्रांड को शुरूआत से ही ग्राहकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। उद्घाटन के पहले ही दिन करीब 2,500 लोगों ने आउटलेट की मुलाकात के साथ ऑर्डर देने के लिए लंबी कतारें देखने को मिलीं। मुंबई में मिली यह शानदार शुरूआती प्रतिक्रिया अजयस कैफे की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। गुजरात में अपनी मजबूत मौजूदगी स्थापित करने के बाद अब ब्रांड देश के सबसे प्रतिस्पर्धी और तेजी से विकसित हो रहे दरफ बाजारों में से एक, मुंबई में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। मुंबई में पहले आउटलेट के लॉन्च के साथ अजयस कैफे के कुल आउटलेट्स की संख्या बढ़कर 282 हो गई है। लॉन्च के दौरान आउटलेट पर उमड़ी भीड़ और लगातार बने रहे ग्राहक फुटफॉल से यह स्पष्ट होता है कि बेहतर स्वाद, जीवंत कैफे अनुभव और किफायती कीमतों के अजयस कैफे के मॉडल को ग्राहकों के बीच मजबूत स्वीकार्यता मिल रही है।

छोटे कारोबारियों के लिए अमेजन पे और कोटक महिंद्रा बैंक की पहल

मुंबई। अमेजन पे और कोटक महिंद्रा बैंक (केएमबीएल) ने आज एकल स्वामित्व वाले (प्रोपराइटर्स) और छोटे कारोबारियों के लिए अमेजन पे कोटक बिजनेस क्रेडिट कार्ड लाने का ऐलान किया। यह कार्ड अमेजन बिजनेस पर रजिस्टर्ड यूजर्स के लिए उपलब्ध होगा। अमेजन बिजनेस वह प्लेटफॉर्म है, जहां से लाखों भारतीय व्यवसाय डिजिटल तरीके से खरीदारी करते हैं। कार्ड पर कैशबैक रिवॉर्ड मिलेंगे और ब्याज-मुक्त क्रेडिट अवधि भी लंबी रहेगी। इससे उद्यमियों को अपनी कारोबारी खरीद बेहतर तरीके से संभालने में मदद मिलेगी और उनकी वर्किंग कैपिटल भी बची रहेगी। भारत के एमएसएमई क्षेत्र में उद्यम पोर्टल पर 9.4 करोड़ से ज्यादा इकाइयां रजिस्टर्ड हैं। यह क्षेत्र देश की जीडीपी में 30% से ज्यादा योगदान देता है । इसके बावजूद बहुत से छोटे कारोबारियों तक ऐसे औपचारिक क्रेडिट प्रोडक्ट नहीं पहुंच पाते, जो खास उनकी कारोबारी जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाए गए हों। उद्यमी अब डिजिटल खरीद, जीएसटी के नियमों के मुताबिक रिकॉर्ड रखने और व्यवस्थित वित्तीय प्रक्रियाओं को तेजी से अपना रहे हैं। ऐसे में उन समाधानों की मांग बढ़ रही है, जिनसे वे अपने खर्च, कैश फ्लो और कारोबारी कामकाज पर बेहतर पकड़ बना सकें। अमेजन पे इंडिया में डायरेक्टर, क्रेडिट एंड लेंडिंग, मयंक जैन ने कहा, ह्यअमेजन पे ने लाखों भारतीय ग्राहकों तक क्रेडिट पहुंचाया है। अब हम यही काम छोटे कारोबारियों के लिए कर रहे हैं। अमेजन बिजनेस के ग्राहकों में 70% हिस्सा एकल स्वामित्व वाले और छोटे कारोबारियों का है, और अमेजन पे कोटक बिजनेस क्रेडिट कार्ड हमारा वही वादा उन तक पहुंचाता है। हमने यह कार्ड इन छोटे कारोबारियों की जरूरत सुनकर बनाया है। उन्हें अमेजन बिजनेस पर की गई खरीद पर पारदर्शी रिवॉर्ड चाहिए और क्रेडिट तक पहुंच चाहिए। कोटक महिंद्रा बैंक के साथ मिलकर हम दो ताकतें जोड़ रहे हैंः लाखों व्यवसायों तक अमेजन की पहुंच, और एसएमई को कर्ज देने में कोटक की महारत। इससे देश भर के उद्यमियों के लिए एक आकर्षक पेशकश तैयार होगी।

पोषण को विकास के एजेंडे का केंद्रबिंदु बनाने की जरूरत: डॉ. इंदुरानी जाखड़

पालघर(उत्तरशक्ति)। माता और बालक सुरक्षित एवं स्वस्थ होंगे, तभी विकसित और समृद्ध महाराष्ट्र का निर्माण संभव है। इसलिए मातृ एवं बाल स्वास्थ्य तथा पोषण को विकास के एजेंडे में केंद्रबिंदु बनाया जाना आवश्यक है। यह प्रतिपादन पालघर की जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ ने किया।

जिला परिषद पालघर में केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय जनजागृति कार्यक्रम में मार्गदर्शन करते हुए जिलाधिकारी ने यह बात कही। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी संतोष चौधरी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी डॉ. जाखड़ ने कहा कि राज्य सरकार के वर्ष 2024 से 2029 तक के विकास एजेंडे में सुरक्षित माता, सुसंस्कृत बालक और समृद्ध महाराष्ट्र की मूल भावना निहित है। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला परिषद की ओर से माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए विभिन्न योजनाएं और अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों को सफल बनाने के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कम वजन और अधिक वजन, दोनों ही कुपोषण के व्यापक स्वरूप का हिस्सा हैं। इसलिए दोनों समस्याओं को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। चिकित्सकीय कारणों से वजन संबंधी समस्या होने पर उचित उपचार जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को यह भी जागरूक होना चाहिए कि वह क्या खाता है, कितनी मात्रा में खाता है और किस समय खाता है। जिलाधिकारी ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा मातृ मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से हाल ही में आयोजित बैठक में आहार संबंधी आदतों पर विस्तृत चर्चा की गई। कई स्थानों पर गलत खान-पान की आदतें चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को समय पर और पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहार लेना चाहिए। इसी प्रकार बच्चों को उनकी उम्र और आवश्यकता के अनुसार नियमित एवं पौष्टिक भोजन मिलना जरूरी है। कुछ स्थानों पर बच्चों को आवश्यकता से कम बार भोजन दिए जाने की जानकारी सामने आती है। ऐसी कमियों को दूर करने के लिए विशेष प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। मातृ एवं बाल स्वास्थ्य तथा पोषण के क्षेत्र में सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न अभियानों का स्वागत करते हुए जिलाधिकारी डॉ. जाखड़ ने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे। उन्होंने नागरिकों से अपने दैनिक खान-पान की आदतों के प्रति जागरूक रहने और पोषण अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने का आहवान किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान संतुलित आहार, कुपोषण उन्मूलन, मातृ एवं बाल स्वास्थ्य, बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा पोषण के प्रति जनजागृति के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर में उन्नत एयरवे प्रक्रिया से मिजोरम के युवा छात्र ने फिर ली आजादी की सांस

मुंबई/कोलकाता। मिजोरम के रहने वाले १८ वर्षीय कॉलेज छात्र और बाइकिंग के शौकीन लालथांगा (नाम बदला हुआ) के लिए २०२५ में जानलेवा बीमारी से जूझने के बाद सहज रूप से सांस लेना एक दूर की बात हो गई थी। उन्हें हर्पीस जोस्टर एन्सेफलाइटिस (वैरिसेला-जोस्टर वायरस के कारण होने वाला मस्तिष्क का गंभीर संक्रमण/सूजन) हुआ था, जिसके कारण उन्हें १० दिनों तक वेंटिलेशन पर रहना पड़ा। इसके बाद धीरे-धीरे उनकी सांस लेने में परेशानी बढ़ने लगी और इसका असर उनके रोजमर्रा के जीवन पर पड़ने लगा। उनके परिवार ने मिजोरम और पूर्वी भारत के अन्य हिस्सों में कई डॉक्टरों से परामर्श किया, जहां उन्हें ऐसी सर्जरी की सलाह दी गई, जिसके बाद लंबे समय तक आईसीयू में रहने की आवश्यकता पड़ सकती थी। पिछली गंभीर बीमारी के अनुभव के कारण परिवार एक और बड़ी सर्जरी को लेकर आशंकित था। इसलिए उन्होंने एक अन्य विकल्प की तलाश की और अंततः उन्हें मणिपाल हॉस्पिटल्स मुकुंदपुर के पल्मोनोलॉजी विभाग में रेफर किया गया, जहां डॉ. अंगशुमान मुखर्जी, सीनियर कंसल्टेंट झ पल्मोनरी मेडिसिन स्पेशलिस्ट, मणिपाल हॉस्पिटल मुकुंदपुर की देखरेख में उनका उपचार किया गया। लालथांगा (नाम बदला हुआ) की बीमारी पहले एस्पिरेशन निमोनिया से भी जटिल हो चुकी थी। समय के साथ उन्हें सांस फूलने और स्ट्राइडर की समस्या होने लगी। स्ट्राइडर ऊपरी श्वसन मार्ग के संकुचित होने के कारण निकलने वाली तेज और कर्कश आवाज होती है। थोरैक्स के सीटी स्कैन में पोस्ट-इंट्यूबेशन स्टेनोसिस की पुष्टि हुई, जिसमें जांच के दौरान कई परतों में एयरवे के लगभग ७०% तक संकुचित होने का पता चला। संकुचन की गंभीरता और लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने के उनके पिछले अनुभव को देखते हुए, मेडिकल टीम ने पारंपरिक सर्जरी के बजाय मिनिमली इनवेसिव ब्रोंकोस्कोपिक प्रक्रिया का विकल्प चुना।

डॉ. अंगशुमान मुखर्जी की विशेषज्ञ देखरेख में ब्रोंकोस्कोप के माध्यम से संकुचित एयरवे तक पहुंच बनाई गई। इलेक्ट्रोकॉटरी नाइफ की मदद से स्टेनोसिस की परतों को सटीक रूप से खोला गया, जिसके बाद पूरे संकुचित हिस्से को बलून की सहायता से फैलाया गया। इस प्रक्रिया में रक्तस्राव बेहद कम हुआ। अगले दिन की गई चेक ब्रोंकोस्कोपी में एयरवे पर्याप्त रूप से खुला हुआ पाया गया, जिसके बाद मरीज को अगले ही दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

मड़ियाहूँ में खुला पहला एआई सेंटर, ग्रामीण युवाओं के लिए नई उम्मीद

भुआल सिंह फाउंडेशन और ठकककक फाउंडेशन की पहल, कंप्यूटर से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक का प्रशिक्षण पूरी तरह नि:शुल्क

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामनगर/जौनपुर ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और रोजगार के लिए होने वाले पलायन को रोकने की दिशा में मड़ियाहूँ के जमालापुर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। भुआल सिंह फाउंडेशन और NIIT फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से क्षेत्र में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सेंटर की शुरूआत की गई है। सेंटर में स्थानीय युवाओं को कंप्यूटर, डिजिटल टूल्स और अक से संबंधित आधुनिक प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क दिया जाएगा। सेंटर का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. अनीत सिंह ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय युवा, अभिभावक, गणमान्य नागरिक तथा दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

तकनीक अब सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं रहेगी

उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. अनीत सिंह ने कहा कि आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीक रोजगार एवं विकास के महत्वपूर्ण माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर माना जाता है कि अकजैसी आधुनिक तकनीक अमेरिका या दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों तक ही सीमित है तथा इसका प्रशिक्षण काफी महंगा होता है। उन्होंने कहा कि भुआल सिंह फाउंडेशन और NIIT फाउंडेशन ने इस सोच को बदलने का प्रयास किया है। अब मड़ियाहूँ के युवाओं को अपने क्षेत्र में ही उच्चस्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। 10-12 हजार की नौकरी के लिए पलायन रोकने का प्रयास डॉ. अनीत सिंह ने क्षेत्रीय युवाओं की रोजगार संबंधी समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उचित मार्गदर्शन और संसाधनों के अभाव में बड़ी संख्या में युवा 10-12 हजार रुपये की मामूली नौकरी के लिए मुंबई, सूरत और गुजरात जैसे शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर होते हैं। उन्होंने कहा कि अकसेंटर का उद्देश्य युवाओं को उनके घर के आसपास ही आधुनिक डिजिटल कौशल उपलब्ध कराना है, ताकि वे तकनीकी रूप से सक्षम होकर बेहतर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर तलाश सकें। डॉ. सिंह ने सेंटर को केवल कंप्यूटर और मशीनों का केंद्र न बताते हुए इसे युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का मंदिर करार दिया अभिभावकों से बच्चों को सेंटर भेजने की अपील डॉ. अनीत सिंह ने क्षेत्र के अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को इस निःशुल्क प्रशिक्षण केंद्र से जोड़ें और उपलब्ध सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि उनका सपना है कि मड़ियाहूँ और जौनपुर का युवा आधुनिक तकनीक में दक्ष होकर अपने गांव में रहकर भी देश-दुनिया के साथ काम कर सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में बड़ी तकनीकी कंपनियां जौनपुर और मड़ियाहूँ जैसे क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवाओं तक पहुंचेंगी और उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी।

कंप्यूटर साक्षरता से अकको एडवांस ट्रेनिंग तक

संस्थान के प्रतिनिधियों के अनुसार सेंटर में युवाओं को कंप्यूटर साक्षरता, आधुनिक डिजिटल टूल्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एडवांस ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ना और उन्हें भविष्य की तकनीकी जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है। कार्यक्रम में NIIT फाउंडेशन की टीम, भुआल सिंह फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्य, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।